{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 05 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 342
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पान मसाला एड विवाद में शाहरुख की मुश्किल बढ़ेंगी

मुंबई। पान मसाला एड मामले में अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को अपना जवाब भेज दिया है। वहीं, शाहरुख खान की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। तीनों एक्टर्स को 14 अगस्त को नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर जवाब देने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 11 अगस्त को शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को 'च्युइंग इलायची' ब्रांड का विज्ञापन करने के मामले में नोटिस भेजा था। नोटिस में 15 दिन के अंदर जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की बात कही गई थी। रेगुलेटर को अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के जवाब मिल गए हैं, शाहरुख खान का जवाब अभी तक नहीं मिला है और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन उनके रिप्लाई का इंतजार कर रहा है।

व्हाट्सएप ने भारत में 53 लाख से अधिक अकाउंट बैन किए

नई दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने भारत में अपनी नीतियों के उल्लंघन और संदिग्ध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए जुलाई 2026 में बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी ने इस अवधि के दौरान भारत से जुड़े 53.64 लाख से अधिक खातों पर प्रतिबंध लगाया है। खास बात यह है कि इसमें 17.90 लाख खाते इसतरह के थे, जिन पर किसी उपयोगकर्ता की शिकायत मिलने से पहले ही कंपनी के आंतरिक सिस्टम ने स्वचालित रूप से कार्रवाई कर दी। व्हाट्सएप के अनुसार, यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म पर स्पैम, धोखाधड़ी और अन्य हानिकारक गतिविधियों को रोकने के लिए उसके उन्नत 'अब्यूज डिटेक्शन सिस्टम' के तहत की गई है। कंपनी लगातार इसतरह के खातों की पहचान करती रहती है जिनका इस्तेमाल उसकी सेवा शर्तों के उल्लंघन या उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से हो रहा हो। लगभग एक-तिहाई खाते उपयोगकर्ताओं की रिपोर्ट आने से पहले ही हटा दिए गए थे, जो कंपनी की सक्रिय निगरानी प्रणाली को दिखाता है।

केरल में बीबीए छात्र गिरफ्तार

कोच्चि। केरल के कोच्चि में महिला शिक्षकों और छात्राओं की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उन्हें अश्लील रूप में बदलने के आरोप में एक बीबीए छात्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान एस. श्रीहरि के रूप में हुई है। वह ककनाड स्थित भरत माता कॉलेज में बीबीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सामान्य तस्वीरों और वीडियो को कथित तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से आपत्तिजनक सामग्री में बदलकर टेलीग्राम समेत सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित करता था।

शासन-प्रशासन पर बढ़ने लगा दबाव, विपक्ष के साथ जनता भी देने लगी जवाब...सीजेपी के धरने के बाद एक्शन

जंतर-मंतर मारपीट का आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा नीशु आजाद के पिता से मारपीट करने वाले आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को शुक्रवार को बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया है। पुलिस को उसके बुलंदशहर में होने की इनपुट मिले थे इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास प्लान बनाया और सभी लोग सादे कपड़ों में पहुंचे और उसे दबोच लिया। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को दिल्ली में संसद मार्ग थाने पर धरना दिया है। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और निशु के लिए न्याय की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद भी सीजेपी के समर्थन में पहुंचे हैं।

पिछले कुछ महीनों के दौरान जिस तरह विपक्ष को जनता का साथ मिल रहा है उससे पुलिस प्रशासन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। पहले जहां पीड़ित लोग थाने जाने से डरते थे, अब वे विपक्ष से न्याय की गुहार लगा रहे हैं और शासन-प्रशासन पर दबाव बनाने लगे हैं। इसका ताजा उदाहरण शुक्रवार को सामने आया। स्वयंभू इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र

भारद्वाज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिससे राजनीतिक घमासान मचा है। भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में यह दावा किया है कि दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के एक फोन कॉल की वजह से वह जेल जाने से बच गए। इसको लेकर स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीजेपी ने शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने में 3 घंटे प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ। दरअसल नीशू का आरोप था कि 23 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय के साथ मारपीट की गई। इस बीच स्वतंत्र का एक पॉडकास्ट वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह संजय पर हमला करने की बात कबूल करता नजर आया। हालांकि, उसने कहा कि उसने ऐसा सेल्फ डिफेंस में किया था। इस पर सौरव दास ने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुद हमला करने की बात स्वीकार कर रहा है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

एफआईआर और नामजद आरोपी

आरोप है कि 2-3 युवकों ने संजय को घेर लिया और घूंसे व लोहे के कड़े जैसी ठोस चीज से उनके सिर पर वार किया। मारपीट के बाद संजय को इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां मेडिकल रिपोर्ट में उनके सिर पर दो कटे हुए घाव दर्ज किए गए। संजय कुमार की शिकायत पर दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 62/2026 के तहत बीएनएस की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) में मामला दर्ज किया गया। घटना के वक्त पुलिस ने दो आरोपियों स्वतंत्र भारद्वाज और सूरज कुमार को नामजद किया था।

इस मामले में उसी समय से ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही थी। विवाद तब और बढ़ गया, जब स्वतंत्र भारद्वाज से जुड़े एक पॉडकास्ट की क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई। इसमें वह कथित तौर पर यह दावा करता दिखाई दिया कि उसने ही संजय कुमार के सिर पर वार किया था। क्लिप में उसने राजनीतिक प्रभाव के कारण अपने खिलाफ बड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होने और आसानी से बच निकलने का भी दावा किया।

राहुल गांधी ने दिया था सहयोग का भरोसा

इस मामले में संजय कुमार की बेटी निशु आजाद ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उसने आरोप लगाया था कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद काफी समय बीतने पर भी आरोपी के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई। निशु की अपील के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उसे सहयोग का भरोसा दिया था।

36 हजार किमी ऊपर से जल, जंगल और जमीन पर नजर रखेगा उपग्रह

इसरो की कामयाबी : जीएसएलवी ने ईओएस-05 का किया सफल परीक्षण

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी-एफ 17) के माध्यम से उन्नत अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट यानी ईओएस-05 का सफल प्रक्षेपण किया। यह भारत का पहला निर्दिष्ट इमेजिंग उपग्रह है जिसे लगभग 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर भू-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इस कक्षा में उपग्रह पृथ्वी की घूर्णन गति के साथ तालमेल बिठाते हुए, एक ही भौगोलिक क्षेत्र पर लगातार नजर रख सकेगा।

वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह को आसमान से नजर रखने वाली आंख बताया है, जो वास्तविक समय में उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें उपलब्ध कराएगा। ये तस्वीरें कृषि, जल संसाधन, वन प्रबंधन, खनिज पूर्वेक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की सहायता करेंगी, जिससे राष्ट्रीय गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से तड़के 2 बजकर 55 मिनट पर निर्धारित समय पर उड़ान भरने के बाद, इस 2,367 किलोग्राम वजनी उपग्रह को सफलतापूर्वक उप-भूतुल्यकालिक अंतरण कक्षा में स्थापित किया गया। यह प्रक्षेपण करीब 18 मिनट तक चला और इसने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय जोड़ा। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने सफल प्रक्षेपण की घोषणा करते हुए इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया।

महज एक घंटे हुई तेज बारिश और डूब गई दिल्ली, 09 उड़ानें डायवर्ट

आईजीआई एयरपोर्ट पर जलभराव, सड़कों पर दिखा 'वाटरफॉल', शनिवार को भी भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार दोपहर हुई तेज बारिश ने एक बार फिर राजधानी की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। करीब एक घंटे की भारी बारिश के बाद इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के कई हिस्सों में पानी भर गया। जलभराव का असर फ्लाइट ऑपरेशन पर भी पड़ा और खराब मौसम के चलते 3:30 से 4:30 बजे के बीच 9 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इनमें चार उड़ानों को जयपुर, चार को लखनऊ और एक उड़ान को अहमदाबाद भेजा गया। एयरपोर्ट पर पानी भरने के कारण यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को जलभराव के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

भारी बारिश के बीच एयरपोर्ट पहुंचे एक यात्री ने बताया कि उसने पहले कभी इस तरह का नजारा नहीं देखा था। उसके मुताबिक एयरपोर्ट परिसर में काफी ज्यादा पानी जमा हो गया था और

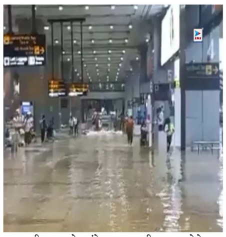

वह करीब आधे घंटे तक पानी कम होने का इंतजार करती रही। खराब मौसम को देखते हुए यात्रियों को एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस जरूर जांचने की सलाह दी गई है। मौसम की स्थिति के अनुसार आने वाले घंटों में भी उड़ानों के संचालन पर असर पड़ने की आशंका है।

शनिवार को भी राहत के आसार कम

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार के बाद भी बारिश का दौर पूरी तरह थमने की संभावना नहीं है। 5 सितंबर, शनिवार को भी हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली क्षेत्र में भारी बारिश हो सकती है। दिल्ली के साथ पूरे एनसीआर में भी मौसम खराब रहने का अनुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 5 सितंबर को भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इनमें एनसीआर से जुड़े कई क्षेत्र भी शामिल हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के लिए जलभराव वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाना चुनौतीपूर्ण रहेगा। वहीं, दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को मौसम और ट्रैफिक की स्थिति देखकर ही यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विशेष सत्र...कांग्रेस और विपक्ष की अग्निपरीक्षा

-एनसीपी-एसपी और द्रमुक मतदान के दौरान हो सकती बाहर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में है, जिसका मुख्य एजेंडा लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करना और आबादी के आधार पर परिसीमन से संबंधित विधेयकों को पारित कराना हो सकता है। यह कवायद तब हो रही है जब अप्रैल में मोदी सरकार इन महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों को दो-तिहाई बहुमत से पास कराने में विफल रही थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू को पत्र लिखकर विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है, जो इस मुद्दे पर व्यापक राजनीतिक समन्वय की आवश्यकता को दिखाता है।

इस बार मोदी सरकार की मुख्य चुनौती सदन में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाना है। अप्रैल की असफलता के बाद राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, जिसमें मोदी सरकार की स्थिति मजबूत हुई है। तृणमूल कांग्रेस के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 का राष्ट्रवादी नागरिक पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होकर एनडीए का हिस्सा बनना एक बड़ा घटनाक्रम है। इन सांसदों को अब मोदी सरकार के समर्थक के रूप में देखा जा रहा है। इसी तरह, शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों का एकनाथ शिंदे गुट में विलय भी सरकार के पक्ष में संख्या बढ़ाता है। हालांकि, इन बदलावों के बावजूद, मोदी सरकार अभी भी सीधे दो-तिहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंची है। उसकी रणनीति अब इंडिया गठबंधन के भीतर के महत्वपूर्ण दलों, जैसे शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी और द्रमुक, को साधने पर केंद्रित है।

तेज रफ्तार से वाहन चलाना चालक की लापरवाही तय नहीं करती

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में 'तेज रफ्तार' को एक सापेक्ष शब्द (रिलेटिव टर्म) बताया है। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि किसी वाहन का तेज गति से चलना और किसी दुर्घटना में शामिल होना, यह अपने आप में यह साबित नहीं करता कि चालक लापरवाही या उतावलेपन से गाड़ी चला रहा था। न्यायालय ने यह फैसला 2009 के एक सड़क हादसे से जुड़े मामले में सुनाया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी और एक टेंपो चालक को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में, उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें टेंपो चालक को बरी कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा ने इस मामले की सुनवाई की। इस मामले में मृतका का पुत्र ही एकमात्र प्रत्यक्षदर्शी था। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि 'हाई स्पीड' या 'ओवरस्पीड' सापेक्ष शब्द हैं। अभियोजन पक्ष (प्रॉसीक्यूशन) के ऊपर यह जिम्मेदारी है कि वह ऐसे ठोस सबूत पेश करे जिससे यह सिद्ध हो सके कि आखिर 'हाई स्पीड' का वास्तविक अर्थ क्या था। सिर्फ एक शब्द के आधार पर लापरवाही या उतावलेपन को लेकर कोई धारणा नहीं बनाई जा सकती। न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि आपराधिक मुकदमे में अभियोजन को अपराध के प्रत्येक तत्व को साबित करना होता है, जबकि आरोपी को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक उसका अपराध संदेह से परे सिद्ध न हो जाए। उच्च न्यायालय के इस फैसले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर 'तेज रफ्तार' की कानूनी परिभाषा क्या है और क्या सिर्फ तेज गति होने से ही कोई चालक अपराधी बन जाता है।

इस 2009 के मामले में, एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई थी और इसका आरोप एक टेंपो चालक पर लगा था।

जजों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

7 राज्यों में 62 साल तक सेवा का रास्ता साफ

स्वत : नहीं होगा विस्तार बल्कि 60 साल पर हाईकोर्ट करेगा योग्यता और प्रदर्शन का आकलन

नई दिल्ली। जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत के आदेश के बाद सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का रास्ता साफ हो गया है। छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इन राज्यों को अपने सेवा नियमों में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया है।

हालांकि, 60 साल की उम्र पूरी करने वाले प्रत्येक न्यायिक अधिकारी को दो साल का स्वतः विस्तार नहीं मिलेगा। संबंधित हाईकोर्ट अधिकारी की योग्यता, कार्यक्षमता और अब तक के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा। इस आकलन के बाद ही उसे 62 साल तक सेवा में बनाए रखने का निर्णय लिया जाएगा। राज्यों को नियमों में संशोधन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने और अधिमानतः दो महीने के भीतर इसे पूरा करने को कहा गया है।

31 मार्च 2026 के बाद रिटायर अधिकारी भी दायरे में

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का लाभ उन न्यायिक अधिकारियों को भी मिल सकता है, जो 31 मार्च 2026 या उसके बाद 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हुए हैं। ऐसे अधिकारियों को न्यायिक सेवा में वापस आने का विकल्प दिया गया है। हालांकि, इसके लिए शर्त है कि उन्होंने केंद्र या राज्य सरकार के अधीन कोई दूसरी नौकरी या लाभ का पद स्वीकार न किया हो।

कुछ ना कहना

15 सितंबर के बाद क्यूआर से पेमेंट लेने में आ सकती है दिक्कत

छोटे दुकानदारों की री-केवायसी बनी बड़ी चुनौती, पेमेंट कंपनियों ने आरबीआई से मांगी मोहलत

नई दिल्ली। देश में डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा आधार बने छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले और छोटे ऑनलाइन कारोबारियों के सामने अब री-केवायसी की समयसीमा बड़ी चुनौती बन गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पेमेंट एग्रीगेटर्स और मर्चेंट्स के लिए री-केवायसी से जुड़े नियमों के तहत 15 सितंबर की समयसीमा तय की है। लेकिन पेमेंट इंडस्ट्री का कहना है कि बड़ी संख्या में मर्चेंट्स का वेरिफिकेशन अभी बाकी है। पेमेंट कंपनियों ने आरबीआई से इस समयसीमा को आगे बढ़ाने की मांग की है। उनका तर्क है कि देश के छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे व्यापारी हैं, जिनका फिजिकल वेरिफिकेशन और दस्तावेजों की जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि 15 सितंबर से देशभर में क्यूआर बंद हो जाएगा। असर मुख्य रूप से उन मर्चेंट अकाउंट्स पर पड़ सकता है, जिनकी जरूरी केवायसी या री-केवायसी प्रक्रिया तय समय तक पूरी नहीं हुई है।

क्यूआर कोड के जरिए भुगतान लेने वाले छोटे दुकानदार डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। चाय की दुकान से लेकर सब्जी विक्रेता, किराना दुकान, मेडिकल स्टोर और छोटे ऑनलाइन कारोबार तक बड़ी संख्या में व्यापारी क्यूआर और कार्ड पेमेंट पर निर्भर हैं। ऐसे में जिन मर्चेंट्स का वेरिफिकेशन लंबित है, उनके लिए समयसीमा महत्वपूर्ण हो गई है। पेमेंट कंपनियों का कहना है कि सभी कारोबारियों तक पहुंचकर दस्तावेजों की जांच करना आसान नहीं है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में।

फिजिकल वेरिफिकेशन ने बढ़ाई चुनौती

मामले की सबसे बड़ी पेचीदगी फिजिकल वेरिफिकेशन से जुड़ी बताई जा रही है। छोटे कारोबारियों के पास अक्सर औपचारिक कारोबार से जुड़े सभी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते। कई दुकानदार अस्थायी ठिकानों, ठेलों या छोटे काउंटरों से कारोबार करते हैं। ऐसे मर्चेंट्स का सत्यापन केवल डिजिटल प्रक्रिया से पूरा करना मुश्किल हो रहा है। पेमेंट कंपनियों को अपने कर्मचारियों के जरिए मौके पर जाकर सत्यापन करना पड़ रहा है। मर्चेंट्स की संख्या के मुकाबले फील्ड स्टाफ सीमित होने से बैकलॉग बढ़ गया है।

मातृत्व अवकाश : करियर को बर्बादी से बचाया, दिल्ली हाईकोर्ट ने दिलाया 10 लाख मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मातृत्व अवकाश से लौटने वाली महिला कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। दिल्ली की अदालत ने स्पष्ट किया है कि मातृत्व अवकाश किसी महिला के करियर को नुकसान नहीं पहुंचाता। महिला को उसी पद, जिम्मेदारियों, वेतन, वरिष्ठता और पदोन्नति के मौकों के साथ काम पर वापस लेना चाहिए, जिस पर वह अवकाश पर जाने से पहले थी। यदि यह संभव न हो, तब समान करियर संभावनाओं वाला समकक्ष पद दिया जाए। जस्टिस सचिन दत्ता ने मामले में, पेशेवर नुकसान झेलने वाली महिला कर्मचारी को 10 लाख मुआवजे और 1.5 लाख मुकदमे का खर्च, कुल 11.5 लाख का भुगतान करने का आदेश दिया।

यह मामला एक चार्टर्ड अकाउंटेंट महिला का था, जो 2022 में मैनेजर-अकाउंटिंग बनी थीं। उनके पास 14 वर्ष का पेशेवर अनुभव था। मई 2023 में गर्भावस्था की सूचना देने पर उन्हें दूसरी टीम में भेजा गया। दिसंबर 2023 में मातृत्व अवकाश के बाद जुलाई 2024 में लौटने पर, उन्हें ट्रेजरी विभाग में कम जिम्मेदारियों वाले पद पर नियुक्त किया गया, जहां उनके अधीन कोई कर्मचारी नहीं था, जबकि उनसे जुनियर पुरुष सहकर्मियों को सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नत किया गया। कंपनी ने आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि पद और वेतन समान था, और बदलाव अस्थायी था।

हालांकि, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 का संरक्षण सिर्फ नौकरी से निकाले जाने से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गर्भावस्था के कारण सेवा शर्तों में किसी भी प्रतिकूल बदलाव से महिला को सुरक्षा देता है। अदालत ने जोर दिया कि केवल पदनाम और वेतन बरकरार रखना पर्याप्त नहीं है; यदि जिम्मेदारियां, अधिकार और करियर की संभावनाएं कम कर दी जाएं, तब इसे कानून का अनुपालन नहीं माना जा सकता।

14 दिन से चल रही हड़ताल पर फिलहाल ब्रेक

15 दिन में मांगें नहीं मानीं तो फिर गरजेगा आदिवासी समाज

बैगा बच्चों की मौत के मामले में 25 लाख मुआवजा, सरकारी नौकरी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग, प्रशासन के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय जनपद पंचायत के सामने बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर पिछले 14 दिनों से चल रही सर्व आदिवासी समाज के युवाओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल फिलहाल स्थगित कर दी गई है। लगातार 14 दिनों तक धरना प्रदर्शन करने के बाद आंदोलनकारियों ने जनपद पंचायत के सामने लगाया गया टेंट भी हटा लिया है। हालांकि युवाओं ने साफ कर दिया है कि आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है और प्रशासन को केवल सीमित समय के लिए मौका दिया गया है। 4 सितंबर को शहर के एक निजी प्रतिष्ठान में आयोजित पत्रकार वार्ता में आंदोलनकारियों ने हड़ताल स्थगित करने की जानकारी दी। प्रेस वार्ता में मोहन मरकाम, ललित हुईके, सत्येंद्र इनवाती और संजय धुर्वे ने कहा कि बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के बाद क्षेत्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे को लेकर उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। आंदोलन के दौरान प्रशासन के सामने कई मांगें रखी गईं। आंदोलनकारियों ने मृत बैगा आदिवासी बच्चों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई है। इसके साथ ही प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी रखी गई है। युवाओं का कहना है कि बच्चों को खो चुके परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए सरकार को ठोस निर्णय लेना चाहिए। आदिवासी युवाओं ने क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने स्वास्थ्य सहित सड़क, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं को मजबूत कर उन्हें अंतिम छोर तक पहुंचाने की मांग की है। प्रेस वार्ता में आंदोलनकारियों ने सबसे ज्यादा जोर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर दिया। उनका कहना है कि बच्चों की मौत के मामले में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ निलंबन सहित कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। युवाओं ने कहा कि केवल जांच और आश्वासन से बात खत्म

नहीं होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई जमीन पर दिखाई देनी चाहिए। ललित हुईके ने बताया कि 3 सितंबर को बालाघाट बंद के दौरान जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में आंदोलनकारियों ने अपनी सभी मांगों को प्रशासन के सामने रखा और कार्रवाई की समय सीमा तय करने की मांग की। प्रशासन की ओर से मांगों पर 30 दिनों में कार्रवाई करने का आश्वासन दिए जाने की बात आंदोलनकारियों ने बताई। हालांकि आंदोलनकारी 30 दिनों तक इंतजार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन से 15 दिनों के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिलाने की मांग की है। इसी आश्वासन के बाद युवाओं ने फिलहाल अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया और जनपद पंचायत के सामने से टेंट हटा लिया। सत्येंद्र इनवाती ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि प्रशासन ने 15 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की तो वे दोबारा स्थानीय जनपद पंचायत के सामने हड़ताल शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। युवाओं ने यह भी स्पष्ट किया कि वे सिर्फ आश्वासन के भरोसे लंबे समय तक शांत बैठने वाले नहीं हैं। आंदोलनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य हड़ताल को खत्म करना नहीं है, बल्कि फिलहाल अनिश्चितकालीन हड़ताल को रोकना है। प्रशासन को अपनी ओर से कार्रवाई करने का अवसर दिया गया है और अब अगले 15 दिन बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि इस अवधि में मांगों पर निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन दोबारा शुरू करने की तैयारी की जाएगी। प्रेस वार्ता में युवाओं ने व्यवस्था में बदलाव की मांग भी प्रमुखता से रखी। उनका कहना है कि बैगा आदिवासी क्षेत्रों में केवल घटनाओं के बाद राहत देने के बजाय स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की स्थायी व्यवस्था की जानी चाहिए। उनका सवाल है कि जब सरकार आदिवासी क्षेत्रों के विकास और सुविधाओं को लेकर लगातार योजनाओं की बात करती है तो जमीनी स्तर पर उसका असर आखिर क्यों दिखाई नहीं देता। आंदोलनकारियों ने कहा कि मृत बच्चों के परिवारों को न्याय दिलाने के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी जरूरी है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार करने की आवश्यकता है। युवाओं ने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई कर भरोसा कायम करने की अपील की है।

बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला व नगर शाखा का पुनर्गठन 13 को

प्रदेश पदाधिकारी निर्वाचन प्रक्रिया में होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की नगर एवं जिला शाखा बालाघाट के कार्यकाल की समाप्ति के बाद शाखा का पुनर्गठन एवं निर्वाचन किया जाएगा। निर्वाचन समारोह 13 सितंबर रविवार दोपहर 12 बजे से स्थानीय, बूढ़ी रेलवे फाटक के पास निजी

लान में आयोजित होगा।बताया गया कि संस्था के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं ट्रस्टी डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर के नेतृत्व में संचालित संगठन की मध्यप्रदेश शाखा में अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. चरणदास ढेंगरे के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिला एवं नगर शाखा के नए पदाधिकारियों के निर्वाचन की प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।निर्वाचन प्रक्रिया में डॉ. चरणदास ढेंगरे अध्यक्षता एवं निर्वाचन अधिकारी की भूमिका में रहेंगे। महामंत्री एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. उत्तम प्रधान प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. शांताराम वाघ, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीसी सहारे, उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक हेमलता डोंगरे, प्रदेश सचिव आरके कठाने तथा प्रदेश कार्यालय सचिव राजकपुर कामड़े सहित अन्य पदाधिकारी Z निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करेंगे।संस्था की ओर से जिले के तहसील, नगर, ग्राम एवं वार्ड स्तर के धम्म बंधुओं तथा डॉ. आंबेडकर और मानवतावादी विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों से सदस्य बनकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है। संस्था पदाधिकारियों का कहना है कि मजबूत संगठन के माध्यम से धम्म मिशन की गतिविधियों को और गति दी जा सकेगी।उक्त जानकारी बीएसआई बालाघाट के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम द्वारा प्रेसविज्ञप्ति जारी कर दी गई।

विधि-विधान के साथ मनाया जा रहा नंदलाल का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में शुक्रवार को हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा धूमधाम के साथ नंदलाला का जन्मोत्सव मनाया गया।कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों सहित घर-घर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर नगर बाजार पूरी तरह से गुलजार रहा।जहां कृष्ण जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर विधि-विधान के साथ नंदलाल की विशेष पूजा अर्चना की गई।प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले का माहौल भक्तिमय नजर आया। आपको बताए कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था।

घर घर विराजित की गई श्रीकृष्ण की प्रतिमा

उधर कृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भक्तों द्वारा घर-घर में विराजित की गई।जहा भक्तों द्वारा सहपरिवार विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण को माखन मिश्री व लाई चना का भोग लगाया गया व आरती कर उपस्थितजनों को प्रसाद का वितरण किया गया। वही आज गोपाल मंडलियों व युवाओ की टोलियो द्वारा जगह-जगह मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।वही प्रतिमाओं का विसर्जन कर कृष्ण जन्माष्टमी का समापन किया जाएगा।

बाजार रहे गुलजार

कृष्णा जन्माष्टमी पर्व को लेकर बाजारों में दिन भर लोगों की चहल-पहल लगी रही। बाजारों में पूजन सामग्री, भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा ,पोस्टर, मोर पंख, लाई चना व फलों की दुकानें जगह-जगह सजी रही।शहर सहित तहसील व ग्रामीण अंचलों में स्थित मूर्तिकारों द्वारा भी भगवान श्रीकृष्ण, राधा रूकमणी की एक से बढ़कर एक अलग-अलग कलर डिजाइन की मनमोहक प्रतिमा बनाकर विक्रय करने तैयार की गई है। बाजारों व प्रमुख चौक चौराहों में श्री कृष्ण की प्रतिमा विक्रय के लिये रखी गई थी।सुबह से ही मूर्तिकारों के घर व दुकानों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा खरीदी करने लोगों की आवा-जाही प्रारंभ हो गई जो देर शाम तक चलते रही। जहा भक्तो ने एक से बढ़कर एक मनमोहक व आकर्षक प्रतिमाए खरीदकर, घर-घर प्रतिमाओं की स्थापना की।वही देर शाम से ही जगह जगह पूजा अर्चना का दौर शुरू हो गया।जो रात्रि 12 बजे जन्मोत्सव के बाद तक चलता रहा।

गोंविदा की टीम, आज जगह-जगह फोड़ेगी मटकी

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शहर मुख्यालय में जगह-जगह मटकी फोड़ का आयोजन किया गया है। जय-जवान जय किसान समिति के गोंविदा की टीम शनिवार की दोपहर करीब 1 बजे शहर में मटकी फोडने डीजे की धुनों के साथ निकलेगी। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर विभिन्न समितियों द्वारा बांधी गई दही हांडी को गोंविदा आला रे कहकर कन्हैयाओं द्वारा मटकी फोड़ी जाएगी। जिसको लेकर व्यापक तैयारियां कर ली गई है।

कृष्ण मंदिर में निभाई जाएगी 1921से चली आ रही परम्परा

वही कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 16 स्थित जिले के एकमात्र कृष्ण मंदिर में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां वर्ष 1921 से चली आ रही परंपरा के अनुसार भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ शुक्रवार रात्रि 12 मनाया जाएगा।जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन संपन्न कराए जाएगे।जहा भगवान श्री कृष्ण की आरती, पंचामृत से अभिषेक, बड़े भगवान, छोटे भगवान और लड्डू गोपाल का श्रृंगार, वैदिक मंत्रोच्चारण, गोपाल सहस्त्रनाम, भगवान गणेश जी का अर्थ अभिषेक, कर रात्रि 8.30 बजे तक भक्तों के लिए भगवान के दर्शन कराए गए। जिसके तुरंत बाद पुन: भगवान का श्रृंगार, वही रात्रि में भजन मंडली द्वारा सुंदर पाठ का आयोजन किया गया, जिसके तुरंत बाद रात्रि 10 बजे से 12 बजे तक भजन कीर्तन, हनुमान चालीसा, श्री कृष्ण भजनो की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। तो वही रात्रि 12 बजे महा आरती के साथ भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम के बाद मंदिर के सामने बंधी मटकी को जय जवान जय किसान टोली द्वारा फोड़ा जाएगा।

शिक्षक दिवस आज जगह जगह होगा गुरुजनों का सम्मान

स्कूलों में होंगे विविध आयोजन, डॉ. राधाकृष्णन के योगदान को किया जाएगा याद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरु साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः—गुरु को भारतीय परंपरा में सदैव सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। इसी भाव के साथ आज 5 सितंबर को जिले में शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय से लेकर तहसील और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस को लेकर स्कूलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कई विद्यालयों में विद्यार्थी अपने शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे तो कहीं गुरुजनों का पूजन और सम्मान किया जाएगा। शिक्षक दिवस को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

गुरु के महत्व से रूबरू होंगे विद्यार्थी

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की भूमिका के बारे में जानकारी दी जाएगी। बच्चों को बताया जाएगा कि मां को जीवन का प्रथम गुरु माना जाता है, जबकि विद्यालय में शिक्षक बच्चों को शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जीवन के मूल्यों से परिचित कराते हैं। बदलते दौर में शिक्षा व्यवस्था और गुरु-शिष्य संबंधों में कई बदलाव आए हैं, लेकिन विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक का महत्व आज भी कायम है। शिक्षक न केवल विषय का ज्ञान देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनने की दिशा भी दिखाते हैं।

जयंती विशेष पर डॉ. राधाकृष्णन को किया जाएगा याद

ज्ञात हो कि शिक्षक दिवस हर वर्ष 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। वे प्रख्यात शिक्षाविद्, दार्शनिक और देश के दूसरे राष्ट्रपति थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए यह दिन देशभर में शिक्षकों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। बालाघाट जिले में भी स्कूलों में होने वाले आयोजनों के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच गुरु-शिष्य संबंध की गरिमा तथा शिक्षा के महत्व का संदेश दिया जाएगा।

हाउसिंग बोर्ड के आवंटियों को बड़ी राहत, बकाया लीज रेंट चुकाने पर मिलेगी विशेष छूट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने अपने आवंटियों को बकाया लीज रेंट (भू-भाटक) जमा करने पर विशेष छूट का लाभ देने के लिए संचालित 'वन टाइम सेटलमेंट' (OTS—एकमुश्त समाधान) योजना की अवधि बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दी है। इससे बालाघाट सहित प्रदेशभर के हाउसिंग बोर्ड के ऐसे आवंटियों को राहत मिलेगी, जिनका लीज रेंट बकाया है। छूट के संबंध में मंडल के अध्यक्ष ओम जैन द्वारा निर्णय लिया गया है आर मंडल के आयोग द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के सहायक यंत्री श्री जयंत देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि आवंटियों को बकाया लीज रेंट की राशि एकमुश्त जमा करने पर नियमानुसार विशेष छूट प्रदान की जाएगी। योजना की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। इस निर्णय से प्रदेशभर में 50 हजार से अधिक आवंटियों को लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत एकमुश्त भुगतान करने पर बकाया लीज रेंट पर नियमानुसार विशेष छूट का प्रावधान है। योजना के अन्य नियम एवं शर्तें पूर्व निर्धारित अनुसार ही लागू रहेंगी। 31 अक्टूबर 2026 के बाद इस विशेष छूट का लाभ नहीं मिल सकेगा।

शिव-सांई मंदिर में कृष्णाभिषेक और गीता पाठ का आयोजन संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गीता परिषद बालाघाट के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर शुक्रवार को शिव-साईं मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक चले कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का विधिवत पूजन-अर्चन एवं कृष्णाभिषेक किया।कृष्णाभिषेक जल, दूध, दही, गंगाजल और तुलसी पत्र से किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा

श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 1 से 18 तक के संस्कृत श्लोकों का सस्वर पाठ किया गया। गीता पाठ के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।कार्यक्रम के समापन पर आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ईश्वर चंद्र कक्कड़, विमला कक्कड़, पं. हृदय नारायण शुक्ला, प्रेमराज मिश्रा, डॉ. वीरेंद्र सिंह गहरवार, जय प्रकाश राव चर्लेवार, प्रशांत कक्कड़, गितेश्वरी कक्कड़, सतीश भारद्वाज, कमलेश हिंडोल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

करोड़ों का आसामी निकला पीडब्ल्यूडी का कार्यपालन यंत्री

सिंगारे के ठिकानों से अब तक 11 करोड़ की संपत्ति का हुआ खुलासा, आय से करीब 200 गुना अधिक संपत्ति मिलने का दावा, बालाघाट-छिंदवाड़ा-भोपाल में एक साथ ईओडब्ल्यू की कार्रवाई, बैंक खातों और लॉकरों की जांच जारी, डीएसपी बोले- और संपत्तियों का हो सकता है खुलासा

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज़। बालाघाट।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में बालाघाट पीडब्ल्यूडी की पीआईयू शाखा के कार्यपालन यंत्री कमलकिशोर सिंगारे के खिलाफ आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) की कार्रवाई में अब तक करीब 11 करोड़ रुपए की संपत्ति सामने आने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह संपत्ति उनकी ज्ञात आय की तुलना में करीब 200 गुना अधिक बताई जा रही है।हालांकि, संपत्तियों और आय का अंतिम मूल्यांकन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।बताया गया कि 2 दिनों से जारी आय से अधीक सम्पति की जांच अब तक पूरी नही हो पाई है।

बालाघाट आवास में ढाई लाख नगद, तो 25 लाख कीमत का मिला था वाहन

ज्ञात हो कि ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने गुरुवार सुबह करीब 5 ः45 बजे सिंगारे के बालाघाट स्थित शासकीय आवास पर दबिश दी थी। कार्रवाई के दौरान कमलकिशोर सिंगारे आवास पर ही मौजूद थे। डीएसपी मंजीत सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने आवास की तलाशी ली। यहां से करीब 2.50 लाख रुपए नकद और करीब 25 लाख रुपए कीमत का वाहन मिलने की जानकारी सामने आई थी।

तीन शहरों में एक साथ छापामार कार्रवाई

ईओडब्ल्यू ने केवल बालाघाट ही नहीं, बल्कि छिंदवाड़ा और भोपाल स्थित आवासों पर भी एक साथ कार्रवाई की। बालाघाट में जांच के बाद टीम कार्यपालन यंत्री को अपने साथ छिंदवाड़ा स्थित आवास लेकर गई, जहां तलाशी के दौरान जमीन, मकान, आभूषण, वाहन, घरेलू सामान और अन्य संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज सामने आए।

छिंदवाड़ा में करोड़ों की संपत्ति का ब्यौरा

बताया गया कि छिंदवाड़ा स्थित आवास से जांच एजेंसी को करीब 3 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि और मकान, लगभग 7.50 लाख रुपए नगद, करीब 1 करोड़ रुपए के घरेलू सामान की इन्वेंट्री, 52 लाख रुपए के सोने के आभूषण तथा करीब 1.20 लाख रुपए के चांदी के आभूषण मिलने की जानकारी दी गई है।इसके अलावा करीब 49 लाख रुपए कीमत के दो चारपहिया वाहन, लगभग 4 लाख रुपए के तीन दोपहिया वाहन तथा करीब 1.50 करोड़ रुपए मूल्य का शॉपिंग कॉम्पलेक्स भी जांच के दायरे में आया है।

फार्म हाउस में स्वीमिंग पुल, 12 बैंक खाते

ईओडब्ल्यू के अनुसार, कार्यपालन यंत्री और उनके परिजनों के नाम से विभिन्न बैंक शाखाओं में 12 बैंक खाते भी मिले हैं। इन खातों में जमा राशि और लेन-देन की जानकारी जांच एजेंसी जुटा रही है। उनके छिंदवाड़ा स्थित फार्म हाउस की तलाशी में भी बड़ी संपत्ति सामने आने की जानकारी है। ईओडब्ल्यू के अनुसार, करीब 2 करोड़ रुपए भूमि एवं फार्म हाउस निर्माण पर खर्च किए जाने का पता चला है। फार्म हाउस में छत पर बना स्वीमिंग पुल भी टीम के सामने आया।इसके अलावा करीब 8 लाख रुपए का महिंद्रा ट्रैक्टर, 1.50 लाख रुपए की ट्रॉली और करीब 5 लाख रुपए के अन्य कृषि उपकरण मिलने की जानकारी दी गई है।

भोपाल में भी मिला दो करोड़ का मकान

इसके अलावा भोपाल स्थित आवास की जांच में करीब 2 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि और मकान तथा लगभग 3.50 लाख रुपए के घरेलू सामान की इन्वेंट्री मिलने की जानकारी सामने आई है।वही अन्य चल व अचल सम्पत्तियों की जांच जारी है।

11 करोड़ की संपत्ति का आंकड़ा, जांच अभी जारी

ईओडब्ल्यू के अनुसार अब तक की तलाशी और दस्तावेजों की जांच में करीब 11 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला है। यह आंकड़ा तलाशी में सामने आई संपत्तियों, नगदी, आभूषण, वाहन और अन्य सामान के प्रारंभिक मूल्यांकन पर आधारित बताया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद संपत्ति का वास्तविक मूल्य और आय से अधिक संपत्ति का अंतिम अंतर स्पष्ट होगा।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में कार्यपालन यंत्री कमलकिशोर सिंगारे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। कार्रवाई के दौरान मिले दस्तावेजों, बैंक खातों, संपत्तियों और अन्य निवेशों की जांच की जा रही है।

अब निगाहें आगे की जांच पर

तीन शहरों में हुई कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि सिंगारे और उनके परिजनों के नाम पर दर्ज अन्य संपत्तियों, बैंक खातों और लॉकरों में क्या-क्या सामने आता है। ईओडब्ल्यू की जांच पूरी होने के बाद ही कुल संपत्ति और आय से अधिक संपत्ति की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बैंक खातों और लॉकरों की जांच अभी बाकी- मंजीत सिंह

ईओडब्ल्यू डीएसपी मंजीत सिंह के मुताबिक, जांच अभी जारी है। कार्यपालन यंत्री और उनके परिजनों से संबंधित अन्य संपत्तियों, बैंक खातों तथा लॉकरों की जांच की जा रही है। डीएसपी ने संकेत दिया कि जांच आगे बढ़ने पर और भी संपत्तियों का खुलासा हो सकता है।

इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप का रोमांच, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

विजेता खिलाड़ियों को पदक व प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं को मिला खेल रत्न अवॉर्ड

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। खेल एवं कल्याण विभाग के कराटे प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में एक दिवसीय इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का

आयोजन मध्य प्रदेश कराते स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन तथा इंदौर एसकेएफआई एसोसिएशन मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पर अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया।वही पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया गया।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं को खेल रत्न अवॉर्ड

प्रतियोगिता के समापन पर अतिथियों द्वारा इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कराटे में पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जबलपुर महाकौशल द्वारा प्रदान किए गए खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि किरण भाई त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि जीपी बर्मन, रायपुर से आए कराटे प्रशिक्षक इशांत महंत, इंदौर से अमय लश्करी, उज्जैन से आए कराटे प्रशिक्षक तथा संस्था सचिव संतोष पारधी सहित अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं खेल रत्न अवॉर्ड प्रदान किए।इस अवसर पर संस्था के सदस्य शुभम मनेश्वर, साक्षी खैरकर, संजू मेश्राम, विनय श्रीवास्तव एवं अनिल सावंनकर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षकों को भी मिले प्रशिक्षण व प्रतियोगिता के प्रमाण पत्र

कार्यक्रम के दौरान भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश थागता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के रेफरी सेमिनार एवं ट्रेनिंग में भाग लेने वाले जिले के चार प्रशिक्षकों संतोष पारधी, शुभम मनेश्वर, अनिल सावंनकर एवं साक्षी खैरकर को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही दतिया में आयोजित सातवीं स्टेट चैंपियनशिप से संबंधित प्रमाण पत्र भी प्रदान कर प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते पदक

इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मौलिक कावरे ने रजत पदक, सुशांक पारधी ने रजत पदक, हर्षिता गौतम ने रजत पदक, आकाश ठाकरे ने कांस्य पदक तथा साक्षी दादरे ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं रिया राकेशिया और उमंग जंघेले ने प्रतियोगिता में सहभागी के रूप में हिस्सा लिया।सभी खिलाड़ियों को जिला थागता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी एवं कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों और अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर प्रदान करती हैं।

राधा-कृष्ण के रंग में रंगा पीएम श्री कन्या विद्यालय, नन्हें गोपालों ने मटकी फोड़ कर मचाया उल्लास

कृष्ण जन्माष्टमी पर छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, आकर्षक झांकियों और कृष्ण सज्जा ने मोहा मन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 4 सितंबर को शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक कृष्ण जन्मोत्सव की धूम रही। इसी क्रम में पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी में भी जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में सुबह से ही भक्ति का माहौल नजर आया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण और राधा के आकर्षक रूप में सजकर विद्यालय पहुंचे तो पूरा परिसर मानो गोकुल की झलक देने लगा। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा और उत्साह ने आयोजन को खास बना दिया। प्राचार्य एस.के. तुरकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों को केंद्र में रखते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। किसी विद्यार्थी ने कृष्ण भक्ति गीतों पर एकल नृत्य प्रस्तुत किया तो किसी ने सामूहिक नृत्य के माध्यम से भक्ति और उत्साह का रंग बिखेरा। राधा-कृष्ण के रूप में सजे विद्यार्थियों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों का मन मोह लिया।विद्यालय परिसर में की गई कृष्ण सज्जा, चित्रों और झांकियों ने भी आयोजन की भव्यता बढ़ाई। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की झूला झूलती मिट्टी की सुंदर प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रतिमा को सिद्धार्थ धुर्वे ने तैयार किया था, जिसे देखकर विद्यार्थियों के साथ शिक्षक भी प्रभावित हुए। वहीं जन्माष्टमी के प्रमुख आकर्षण मटकी फोड़ कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखाई

दिया। मटकी फोड़ की पूरी तैयारी कक्षा 12वीं के छात्र हितेश नगपुरे की योजना के अनुसार की गई। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और आयोजन स्थल पर जमकर कृष्ण भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप से लेकर उनके जीवन के विभिन्न प्रसंगों को भी विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन से कर्म, सत्य, प्रेम, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि श्रीकृष्ण का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, बुद्धिमत्ता और कर्तव्य निभाने की प्रेरणा भी देता है। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती शारदा वराडे एवं श्रीमती गायत्री पटले ने किया। छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत कृष्ण भक्ति गीतों को संगीत शिक्षक अंशुल तेकाम ने संगीतबद्ध कर आकर्षक रूप प्रदान किया। भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान विद्यालय परिसर तालियों और जयकारों से गूंजता रहा। विद्यार्थियों में पूरे कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह नजर आया और उन्होंने जन्माष्टमी पर्व को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को समझने और आत्मसात करने के अवसर के रूप में मनाया। आयोजन में श्रीमती पूर्णा वर्मा, श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव, श्रीमती अलका धुर्वे, श्रीमती सुनीता बिसेन, श्रीमती सुनीता मड़वी, अशोक गुप्ता, एच. दमाहे, श्रीमती रीनल बिसेन, श्रीमती सुनीता पांडव सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। जन्माष्टमी के दौरान विद्यालय का वातावरण पूरी तरह कृष्णमय नजर आया। रंग-बिरंगी सजावट, राधा-कृष्ण के रूप में सजे बच्चे, भक्ति गीत, नृत्य और मटकी फोड़ की उमंग ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास से आयोजित यह कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ-साथ बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता को मंच देने वाला अवसर भी बना। आयोजन के अंत में विद्यालय परिवार ने भगवान श्रीकृष्ण से सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य, सुख-समृद्धि और सद्बुद्धि की कामना की।

सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड के प्राचार्य के खिलाफ लेखापाल की शिकायत पर मामला दर्ज

गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और जातिगत अपमान के आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड स्थित सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य गंगा प्रसाद कटरे के खिलाफ विद्यालय की लेखापाल इंदुबाला बारमाटे ने अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और जातिगत रूप से अपमानित किए जाने की शिकायत की है। शिकायत की जांच के बाद मलाजखंड पुलिस ने प्राचार्य के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले की विवेचना कर रही है।

भतीजे के प्रवेश को लेकर उपजा विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदुबाला बारमाटे 58 वर्ष ग्राम भीमजोरी निवासी वर्ष 2012 से सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड में लेखापाल के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 अप्रैल 2026 को उन्होंने अपने भतीजे अरनव के कक्षा छठवीं में अंग्रेजी माध्यम से प्रवेश को लेकर अतिथि शिक्षक रवींद्र चौधरी से बातचीत की थी। 9 अप्रैल को विद्यालय के भृत्य सुरेंद्र मरकाम ने उन्हें प्राचार्य के कक्ष में बुलाए जाने की जानकारी दी। इंदुबाला , प्राचार्य के कक्ष में पहुची।तब प्राचार्य ने उनसे कहा कि 8 अप्रैल को कहा गये थे तब इंदुबाला ने उन्हें बताई कि 8 अप्रेल को विकासखंड कार्यालय बिरसा वेतन संबंधी कार्य से कार्यालय गई थीं। इसके बाद भतीजे के प्रवेश और अतिथि शिक्षक से हुई बातचीत को लेकर दोनों के बीच चर्चा हुई। इस दौरान प्राचार्य ने इंदुबाला से कहा गया आपके भतीजे का एडमिशन यहां नहीं हो सकता कहीं दूसरी जगह एडमिशन कराइये। इसके बाद प्राचार्य आवेश में आ गए।इंदुबाला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि बातचीत के दौरान प्राचार्य के साथ उनकी बहस की स्थिति बनी और प्राचार्य ने उनके साथ गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार किया गया और मारने के लिए खड़े हो गए थे। उन्होंने पूर्व में भी अपने साथ जातिगत भेदभाव और अपमानजनक व्यवहार किए जाने की बात शिकायत में कही है। घटना के बाद वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। इसके बाद उन्होंने अपने पति युवराज बारमाटे के साथ मलाजखंड थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की।

पुलिस ने इन धाराओं में दर्ज किया मामला

पुलिस ने 3 सितम्बर को की गई शिकायत की जांच के बाद गंगा प्रसाद कटरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) एवं 3(2)(1a) के तहत अपराध दर्ज किया है।मलाजखंड पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना जारी है।

दहेज में टीवी-गैस सिलेंडर नहीं लाने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप

पति, सास और जेठ के खिलाफ किरनापुर थाने में मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुर्री में दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने पति, सास और जेठ पर दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने पति नितेश मेश्राम, सास सेवनबाई मेश्राम और जेठ दिनेश मेश्राम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी के बाद से प्रताड़ना का आरोप

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मुर्री निवासी रोशनी मेश्राम का मायका ग्राम धानौली, थाना सालेकसा, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) का है। रोशनी की शादी 24 अप्रैल 2025 को सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार नितेश मेश्राम निवासी ग्राम मुर्री के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही रोशनी को उसका पति नितेश, सास सेवनबाई और जेठ दिनेश द्वारा दहेज में पर्याप्त सामान नहीं लाने की बात कहकर उसे कथित रूप से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग टीवी और गैस सिलेंडर नहीं लाने को लेकर उसे ताने देते थे तथा दहेज में टी वी गेस सिलेंडर सहित अन्य सामान लाने की मांग करने लगे थे

मायके पहुंचने के बाद भी दहेज लाने का दबाव

प्रताड़ना से परेशान होकर रोशनी अपने मायके चली गई। आरोप है कि इसके बाद ससुराल पक्ष की ओर से कहा गया कि यदि वह वापस घर आएगी तो दहेज का सामान लेकर आए। मामले को लेकर रोशनी ने वन स्टॉप सेंटर बालाघाट में भी आवेदन दिया था। वहां से उसे पुलिस थाना किरनापुर में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई।इसके बाद रोशनी अपने पिता के साथ किरनापुर थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने दर्ज किया अपराध

विवाहिता की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने पति नितेश मेश्राम सास सेवनबाई मेश्राम और जेठ दिनेश मेश्राम के खिलाफ दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85(3) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

आस-पास की खबरें

विधायक अनुभा मुंजारे की पहल लाई रंग, लालबर्रा क्षेत्र के मजराटोला अब जुड़ेंगे मुख्य सड़कों से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा तहसील अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्राम पंचायतों के मजरा टोलों में वर्षों से पक्की सड़क न होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्थानीय ग्रामीणों एवं प्रतिनिधियों द्वारा इस गंभीर समस्या से क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर तथा मौखिक रूप से अवगत करवाया गया था।

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे ने ग्रामीणों की इस समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए त्वरित प्रयास शुरू किये और उनके सतत प्रयासों क फलस्वरूप मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के तहत लालबर्रा क्षेत्र के संपर्क विहीन टोलों के लिए सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इन सड़कों के बन जाने से क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों का आवागमन सुलभ होगा और वर्षों पुरानी सड़क समस्या का स्थाई समाधान हो जायेगा।

इन प्रमुख मार्गों की मिली स्वीकृति

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा किये गये प्रयासों से खैरगांवटोला से देवीटोला 0.285 कि.मी., खैरगांव से शंकर टोला मार्ग 0.205 कि.मी., लवादा से चिल्लौद मार्ग 1.387 कि.मी. एवं लवादा मेन रोड से गोंडीटोला मार्ग 0.294 कि.मी., शंकरटोला से गोंडी टोला 0.425 कि.मी., सेलवा से शंकर टोला मार्ग 0.673 कि.मी. एवं कंजई उगली रोड से कछार टोला मार्ग 0.347 कि.मी. मार्ग को स्वीकृति मिली है।

क्षेत्र के विकास के लिए विधायक अनुभा मुंजारे का हृदय से धन्यवाद - अनीस

जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग और आवागमन की समस्या को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी ने न केवल गंभीरता से सुना, बल्कि उसे अमलीजामा पहनाने के लिए अथक प्रयास किये। श्री खान ने बताया कि मजरा टोलों की सड़कों की स्वीकृति मिलना हमारे क्षेत्र के विकास के लिए एक बहुत बड़ी सौगात है। इससे ग्रामीणों को कीचड़ और बदहाल रास्तों से मुक्ति मिलेगी। इस जनहितैषी कार्य और विकास की सौगात के लिए क्षेत्रवासियों एवं ग्रामीणों अपनी लोकप्रिय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी का सहृदय आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित कर रहे है।

घर-घर विराजे कृष्ण मुरारी नंदलाला

दिनभर बाजार में रही भीड़, भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति और फोटो की पूजा कर मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।
नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 4 सितंबर को शुभ मुहुर्त पर कृष्ण मुरारी नंदलाला भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर 4 सितंबर को नगर मुख्यालय बाजार में मूर्तिकारों के द्वारा अनेकों मनमोहक आकृतियों में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्तियों का निर्माण कर बिक्री हेतु लाया गया। जिसमें से क्षेत्रीय नागरिकों ने अपनी पसंदीदा मूर्ति सहित किराना दुकानों से अन्य सामग्रियों की खरीदी की। जिसके कारण दिन भर बाजार में चहल-पहल नजर आई। वहीं जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर श्रध्दालुओं के द्वारा देर शाम शुभ मुहुर्त पर घरों में प्रतिमा स्थापना की गई है। जिसके पश्चात रात्रि 12 बजे जन्मोत्सव मनाया गया एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित शिव मंदिर के सामने सभामंच में यादव समाज के द्वारा शुक्रवार की शाम में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कृष्ण मुरारी नंदलाला की मूर्ति स्थापना कर भगवान की आराधना की जा रही है। आपकों बता दे कि जन्माष्टमी पर्व को लेकर शुक्रवार को सुबह से ही बाजार में भीड़ देखने को मिली और इस पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया और मूर्तिकारों के द्वारा बनाई गई श्रीकृष्ण की मनमोहक प्रतिमाओं की खरीदी श्रध्दालुओं के द्वारा की गई एवं देरशाम अपने-अपने घरों में शुभ मुहुर्त पर मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना कर भक्तिभाव एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर जिस तरह से लोगों के द्वारा खरीदी की गई जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि इस पर्व को लेकर लोगों में महंगाई का असर नही दिखा और सभी ने अपनी क्षमतानुसार जमकर खरीदी कर नंदलाला भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया। वहीं श्रध्दालुओं ने बताया कि 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कुछ लोग भगवान की मुर्ति व फोटो की पूजा अर्चना कर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया और इस पर्व पर लाई-चना का विशेष महत्व रहता है।

लाई-चना की दुकानों में रही भीड़

भगवान श्रीकृष्ण की पूजा में लाई-चना चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। जिसके लिये ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग अपने-अपने घरों से चना व धान लेकर नगर मुख्यालय आये और लाई-चना फोड़ने वाले दुकानों में पहुंचकर लाई-चना फुड़वाये। इस दौरान उक्त दुकानों में भीड़ रही ऐसी स्थिति में उन्हे अपनी बारी आने का इंतेजार भी करना पड़ा। वहीं भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पर्व पर बाजार में खरीददारी करने वालों की खासा

भीड़ रही जिससे विश्राम गृह से लेकर मजार तक बार-बार ट्राफिक जाम होते रहा जिससे आवागमन करने वालों को कुछ परेशानी भी हुई। वहीं पुलिस प्रशासन के द्वारा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने पुलिसकर्मी को भी तैनात किया गया था।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर यादव समाज ने निकाली सद्भावना, समरसता बाईक रैली

खिला मुठ्िया देव स्थल लालबर्रा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप स्थित खिला मुठिया देव स्थल में यादव समाज संगठन लालबर्रा के द्वारा 4 सितंबर को सद्भावना, समरसता बाईक रैली एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर प्रातः 11 बजे यादव समाज के स्वजातीय बंधु अमोली स्थित खिला मुठिया देव स्थल में एकत्रित हुए जहां पूजा अर्चना करने के बाद डीजे की धुन पर विशाल सद्भावना, समरसता बाईक रैली निकाली गई। यह बाईक रैली अमोली, रामजीटोला, पांढरवानी, औल्याकन्हार, पनबिहरी, मानपुर एवं लालबर्रा का भ्रमण करते हुए लालबर्रा स्थित खिला मुठिया देव स्थल पहुंची। जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम सेवानिवृत्त जिला विपणन अधिकारी मनोहरलाल यादव के मुख्य आतिथ्य, यादव समाज संगठन के पदाधिकारी महेश यादव की अध्यक्षता एवं सरपंच ग्राम पंचायत पांढरवानी अनीस खान, अमोली सरपंच श्रीमती सुकवन समनपुरे, औल्याकन्हार सरपंच श्रीमती प्रेमलता ओमप्रकाश बिसेन, सेवानिवृत्त कृषि विस्तार अधिकारी शंकरलाल यादव, प्रदेश प्रतिनिधि यादव समाज अमृतलाल यादव, जिला अध्यक्ष यादव समाज संगठन गुलाब यादव के प्रमुख आतिथ्य, जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर, पूर्व अध्यक्ष वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा अनिल (बब्बी) शर्मा, जनपद सदस्य दीपक कावरे, श्रीमती सुनीता बालकरण पंचेश्वर, शिवचरण मात्रे एवं संजीव अवधिया के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने खिला मुठिया देव एवं भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मालयार्पण किया। मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थितजनों ने भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर यादव समाज के द्वारा निकाली गई सद्भावना, समरसता बाईक रैली सहित अन्य कार्यक्रमों की सराहना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के लीलाओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने की बात कही। वहीं यादव समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है कि भगवान श्री कृष्ण ने हमारे यादव समाज में जन्म लिया और उन्हीं के हम वंशज है। हम सभी यदुवंशी हैं, गौ सेवक है। भगवान श्री कृष्ण की सदैव हम सभी पर कृपा बनी रहे एवं उनका आशीर्वाद हमेशा हम सब पर बना रहे यही प्रार्थना करते है। इस अवसर पर यादव समाज लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव सहित अन्य पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में हुई जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता

14, 17 व 19 वर्ष की बालिकाओं का संभाग स्तरीय टीम के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में गुरूवार को 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए कबड्डी चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जो अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की प्रतियोगिता आयोजित की गई। बारिश के बावजूद प्रतियोगिता में दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे लांजी, लामता, चांगोटोला सहित जिलेभर के विभिन्न स्कूलों के टीमों की बालिका खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मैदान पर अपना शानदार खेल प्रदर्शन दिखाया। वहीं उत्कृष्ट खेल कौशल ने दर्शकों तथा खेल प्रेमियों को खासा रोमांचित किया। वहीं बालिका में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग से उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित बालिकाएं अब आगामी समय में संभागीय स्तर पर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं बुधवार को वारासिवनी में जिला स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हो चुकी है। वहीं दुसरे दिन बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होना था लेकिन निरंतर बारिश होने के चलते स्थान परिवर्तन का लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय में बालिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई और स्कूल परिसर में लगे डोन के नीचे कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न करवाई गई। इस तरह जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिलेभर के शासकीय/अशासकीय विद्यालयों की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वहीं जिला स्तर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता से चयनित बालिका खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। चर्चा में पीटीआई अनिल धुवारे ने बताया कि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का जिला स्तरीय कबड्डी चयन टूर्नामेंट आयोजित किया गया। जिसमें तीनों वर्गों में 12-12 खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। यह संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आगामी 16 से 18 सितंबर तक जबलपुर में आयोजित की जायेगी। श्री धुवारे ने बताया कि जिलेभर से विभिन्न स्कूलों से आये विद्यार्थियों की टीमों के लिए लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय में बेहतर व्यवस्था करवाई गई, जिससे सभी खिलाड़ी पूर्णतः संतुष्ट है। बेहतरीन इंडोर व्यवस्था और मैट ग्राउंड ने आसान की प्रतियोगिता को। रविन्द्रकुमार ब्रम्हनोटे ने बताया कि लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सर के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हुई है। सबसे अच्छी बात यह है कि बारिश होने के बावजूद यहां इंडोर स्टेडियम की सुविधा उपलब्ध करवाई गई और बच्चों के खेल के लिए कबड्डी मैट ग्राउंड दिया गया। जिससे बालिका खिलाड़ी पूरी तरह निश्चित होकर खेल पाये। लगातार हो रही बारिश के बाद भी बालिकाओं में जबरदस्त उत्साह रहा। वहीं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्राचार्य सनत दुबे के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रबंध तंत्र के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभावान बालिकाओं को अपनी खेल क्षमता साबित करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। इस अवसर पर जिलेभर के विभिन्न स्कूलों से पहुंचे पीटीआई, शिक्षक एवं खिलाड़ी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

घोटी के सार्वजनिक कृष्ण मंदिर में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित सार्वजनिक कृष्ण मंदिर में 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम मंदिर के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मंदिर में स्थित भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति की विधि-विधान से पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक किया गया तत्पश्चात हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और उपस्थित श्रध्दालुओं ने हवन-कुण्ड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात्रि में भजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। चर्चा में सार्वजनिक कृष्ण मंदिर घोटी पदाधिकारी सीताराम गजबे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम स्थित सार्वजनिक कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया और इस अवसर पर मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि ग्राम के श्रध्दालुजन मंदिर में पहुंचकर नंदलाला की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का महापर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर एवं आसपास के संपूर्ण क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का वध करने हेतु अवतरित हुए भगवान श्री हरि के रूप का जन्मोत्सव मनाने के लिए हर ओर अपार उत्साह देखा गया। स्थानीय कृष्ण भक्तों ने क्षेत्र में मथुरा नगरी जैसा भक्तिमय एवं पावन वातावरण निर्मित कर दिया।

बाजार हुआ गुलजार, जमकर हुई खरीदी

भक्तो ने स्थापित की मनमोहक प्रतिमाएं

पर्व को लेकर अलसुबह से ही श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। प्रात:काल स्नान ध्यान के पश्चात हिंदू धर्मावलंबियों ने बाजारों और मूर्तिकारों के निवास स्थान से भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न मनमोहक मुद्राओं वाली प्रतिमाएं विधि विधान से खरीदीं। मूर्तिकारों के यहां पसंदीदा और आकर्षक प्रतिमाएं लेने के लिए भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान बाल.गोपाल की सुंदर मूरतों को आदर पूर्वक अपने.अपने घरों और सार्वजनिक पंडालों में विराजित किया।

विशेष साज.सज्जा कर मध्यरात्रि में मनाया जन्मोत्सव

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के प्रमुख कृष्ण और राम मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। कई स्थानों पर भव्य झांकियां प्रस्तुत की गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान के जन्म समय तक निर्जला एवं विशेष उपवास रखा। मध्यरात्रि को जैसे ही भगवान का जन्म हुआ पूरा नगर नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने कान्हा की प्रतिमा को पालने और झूले में झुलाया। रात्रि भर मंदिरों एवं पूजा स्थलों पर भजन कीर्तन का क्रम चलता रहा जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। नन्हे मुन्ने बच्चे श्री कृष्ण का रूप धारण कर बाल.लीलाएं प्रदर्शित करते दिखे।

श्रीकृष्ण मय हुआ पूरा नगर

सार्वजनिक समितियों के द्वारा ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते.गाते हुए भगवान की प्रतिमाओं को भव्य पंडालों तक लाया गया। नगर के मुख्य मार्गों, चौक.चौराहों पर हर कोई कृष्ण भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। सड़कों के किनारे लाई, चना, झूला और पूजन सामग्री की दर्जनों दुकानें सजी रहीं। पूरे दिन और रात क्षेत्रवासी पूरी तरह से भक्ति रस में सराबोर रहे और महापर्व को अभूतपूर्व उत्साह के साथ पूरा किया।

महगांई की मार से परेशान है मूर्तिकार-शेखर ढेकने

मूर्तिकार शेखर ढेकने ने बताया कि जन्माष्टमी पर सभी लोग प्रतिमा को आज ले जा रहे हैं और बड़ी मूर्तियां भी जा रही है। वैसे तैयार तो भगवान कृष्ण की सभी मूर्तियां हो गई है कुछ बड़ी मूर्तियां भी हैं। इसमें महंगाई मिट्टी लकड़ी रंग में बढ़ गयी हैं जिससे १० प्रतिशत महंगाई मूर्ति में हैं क्योंकि जो सामान आ रहा है उसमें महंगाई स्पष्ट है। परंतु अब धार्मिक मान्यता भी बढ़ रही है मूर्तियां ज्यादा बनी है यहां की मूर्तियां बालाघाट तक जाती है। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या मौसम बना हुआ है इस बारिश के मौसम में मूर्तियों को तो बाजार तक ले जाना एक बड़ी चुनौती है तो वहीं आगामी गणेश उत्सव के लिए भी तैयारी चल रही है तो यह मूर्तियां सूख नहीं रही है। शासन से भी कोई सहयोग नहीं है ऐसे में हम अपनी जीविका उपार्जन के लिए यह काम कर रहे हैं।

जर्जर पुल से मंडरा रहा हादसे का खतरा...!

शिकायतों के बाद भी प्रशासन बेखबर, ग्रामीणजन परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ के कोसरीटोला में दो ग्राम पंचायतों मुरझड़ और नेवरगांव को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर स्थित पुलियां की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। देखरेख के अभाव और बाढ़ की मार के कारण पुलिया का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा होने की संभावना बनी हुई है।

किसानों और राहगीरों के लिए बनी बड़ी मुसीबत

पुलियां के दूसरे छोर पर गांव के अनेक किसानों की कृषि भूमि स्थित है। वर्तमान में खेती.किसानी के सीजन में ट्रैक्टर, कृषि उपकरण और बैलगाड़ियां ले जाने में ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पुलियां का आधा हिस्सा टूटा होने के कारण मार्ग बेहद सकरा बचा है। बारिश के दिनों में टोंडिया नाले में उफान आने पर इस मार्ग से आवागमन और अधिक बढ़ जाता है जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस पुलियां का निर्माण वर्ष २००६ के आसपास ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के द्वारा करवाया गया था। वर्षों पूर्व आई बाढ़ में इसका एक कोना क्षतिग्रस्त हो गया था। देखरेख नही होने से अब इसकी एक तरफ की वॉल भी नीचे धसक चुकी है। ग्राम पंचायत और ग्रामीणों द्वारा इस पुलिया के जीर्णोद्धार और नए निर्माण को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। पूर्व में पंचायत के द्वारा सुरक्षा के लिहाज से गड्ढे में मुरुम भरवाई गई थी लेकिन पिछली बारिश के पानी में वह सब बह गई और वहां दोबारा गहरा गड्ढा बन गया। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी अनहोनी का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द इस जर्जर पुलिया की मरम्मत करवाई जायें।

पुलियां की हालत जर्जर हो गई आने जाने में ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है - रामचरण नागेश्वर

ग्रामीण रामचरण नागेश्वर ने बताया कि हम लोग हमेशा इसी मार्ग का इस्तेमाल कोसरीटोला से नेवरगॉव जाने के लिये करते है। मगर मार्ग पर स्थित जो छोटा पुलियां है उसकी काफी हालत जर्जर है वहीं एक तरफ की दीवार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलियां की जितनी चौड़ाई होती है उससे आधी ही बची है। कई बार शिकायत संबंधित विभाग को की है मगर उनके तरफसे भी कोई कार्यवाही नही हुई है। हमारे जैसे कई लोगों के खेत उस तरफ है जहां ट्रेक्टर या बैलगाड़ी से आने जाने में दिक्कत है रात्रि में दुर्घटना की संभावना रहती है। यहां पर पहले मुरुम डाली गई थी वह बह गई है जिससे फिर गड्ढा हो गया हैं। अधिकारी को इस पर ध्यान देकर सुधार करना चाहिए वरना भविष्य में बड़ी दुर्घटना की संभावना है।

डोके के डोबन तालाब में तैरता मिला ६९ वर्षीय वृद्धा का शव

रक्षाबंधन पर मौसेरे भाई को राखी बांधने आई थी मृतिका, बीते २ सितंबर से घर से थी लापता पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोके में उस समय हड़कंप मच गया जब ४ सितंबर की सुबह प्राथमिक शाला के समीप स्थित डोबन तालाब में एक वृद्ध महिला का शव तैरता हुआ पाया गया। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतिका की पहचान ग्राम डोके वार्ड क्रमांक १० निवासी ६९ वर्षीय बेनु कटरे के रूप में हुई है। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

पारिवारिक विवाद के कारण बहन के घर रह रही थी मृतिका

प्राप्त जानकारी के अनुसार बेनु कटरे का अपने पति बुधनलाल कटरे के साथ पारिवारिक विवाद चल रहा था। जिसके चलते वह बीते तीन वर्षों से ग्राम भजियादंड में अपनी बहन के पास रह रही थी। आगामी रक्षाबंधन के पर्व पर वह अपने मौसेरे भाई को राखी बांधने और त्यौहार मनाने के लिए १९ अगस्त को ग्राम डोके आई हुई थी। त्यौहार के बाद २० अगस्त को वह अचानक भजिया दंड वापस जाने के बजाय ग्राम डोके स्थित अपने पति के घर चली गई और वहीं रुकने लगी।

२ सितंबर से थी लापता

घटनाक्रम के अनुसार २ सितंबर की सुबह करीब ७.३० बजे बेनु कटरे बिना किसी को बताए घर से अचानक कहीं चली गई। पति बूधनलाल ने अनुमान लगाया कि वह वापस अपने भाई या बहन के घर गई होगी। हालांकि देर शाम तक वापस नही लौटने पर परिजनों ने आसपास के गांवों और रिश्तेदारों में तलाश शुरू की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजन यही मानकर खोजबीन कर रहे थे कि वह शायद अपनी बहन के घर चली गई होगी।

तालाब में तैरता दिखा शव पुलिस ने शुरू की जांच

४ सितंबर की सुबह करीब १० बजे जब ग्रामीण खेती.बाड़ी के काम से अपने खेतों की ओर जा रहे थे। तब उन्होंने प्राथमिक शाला के पास स्थित डोबन तालाब के पानी में एक शव तैरता देखा। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना ग्राम सरपंच कोमेंद्र मड़ावी को दी जिन्होंने तत्काल रामपायली थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कलशराम उइके पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गांव में मचे हड़कंप को सुनकर मृतिका का पति भी मौके पर पहुंचा और तालाब में तैर रहे शव की पहचान अपनी पत्नी बेनु कटरे के रूप में की।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला और घटना स्थल पर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह भेजा गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया है। रामपायली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

ग्राम सरपंच की सूचना पर की जा रही जांच- कलशराम उइके

उपनिरीक्षक कलशराम उइके ने बताया कि डोके के तालाब में महिला का शव तैरता हुआ देखा तो सरपंच ने थाने में सूचना दी थी। मौके पर पहुंचकर महिला के पति से हमने बात की तो बताया कि तीन वर्ष से महिला अपनी बहन के यहां रहती थी १९ अगस्त को वह अपनी मौसी के लड़के के घर आई हुई थी इसी बहाने वह अपने घर भी आ गई। २ सितंबर की सुबह ७.३० बजे बिना कुछ बताएं घर से निकली थी लौटी नहीं जिसकी तलाश कर रहे थे ।ऐसे में ४ सितंबर की सुबह १० बजे तालाब में हमें बॉडी मिली। घटना की जानकारी पर पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को बॉडी दे दी गई है। गुम इंसान इन्होंने इसलिए नहीं किया कि वह अपने बहन के घर गई होगी यह सोचते रहे।

भाजपा कार्यालय में सेवानिवृत शिक्षको का सम्मान समारोह आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भाजपा कार्यालय वारासिवनी में ५ सितंबर २०२६ की प्रात: ११ बजे से परंपरा अनुसार सेवा निवृत शिक्षकों का भव्य सम्मान किया जायेगा। भाजपा विधानसभा प्रभारी पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने चर्चा कर बताया कि पिछले कई सालो से सेवा निवृत शिक्षकों का सम्मान कर समाज में शिक्षकों के त्याग धैर्य और उनके अनमोल योगदान को स्वीकारते हुये उनका शाल श्रीफल से सम्मान किया जाता है। श्री जायसवाल ने बताया कि भाजपा परिवार के द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित सेवानिवृत शिक्षक सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथियों के साथ भाजपा संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

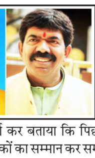

इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर कल संपूर्ण लामता बंद

चक्काजाम और रेल रोको आंदोलन, क्षेत्रीय जनता ने किया आंदोलन का ऐलान

पद्मेश न्यूज। लामता। लामता रेलवे स्टेशन पर मूक माटी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर 6 सितंबर, दिन रविवार को संपूर्ण लामता बंद, चक्काजाम एवं रेल रोको आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन में क्षेत्रीय जनता से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि करीब एक वर्ष पूर्व भी लामता रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर आंदोलन किया गया था, लेकिन आज तक रेल मंत्रालय की ओर से इस संबंध में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद क्षेत्रीय जनता द्वारा बालाघाट प्रवास पर आए रेलवे विभाग के जीएम से मुलाकात कर लामता स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी गई तथा ज्ञापन सौंपा गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इस संबंध में ज्ञापन दिए गए, लेकिन लंबे समय बाद भी मांग पूरी नहीं होने से क्षेत्रीय जनता में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्तमान समय में बसों का किराया लगातार बढ़ने से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। यदि लामता स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव मिल जाता है तो लामता सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और समय एवं धन दोनों की बचत होगी।

50 किमी दूर बालाघाट जाना पड़ता है

लांमता क्षेत्र काफी बड़ा है और उसके आसपास बैहर परसवाड़ा चांगोटोला,चरेगांव, जैसे अनेक क्षेत्र जुड़े हुए हैं , यहां से यात्री किसान मजदूर विद्यार्थी , व्यापारी बंधु लांमता स्टेशन से अपने गंतव्य स्थान तक यात्रा करते हैं, एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज नहीं होने के कारण यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए 50 किलोमीटर दूर बालाघाट तक का सफर तय करना पड़ता है, इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है।

मांग पूरी नहीं हुई तो चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

आंदोलनकारियों ने कहा है कि यदि इस आंदोलन के बाद भी प्रशासन एवं रेल विभाग द्वारा जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो आगामी समय में होने वाले लोकतांत्रिक चुनावों के बहिष्कार जैसे कठोर कदम पर विचार किया जाएगा।

धरना स्थल पर होगी आमसभा, फिर निकलेगी विशाल रैली

संपूर्ण लामता बंद के दौरान बस स्टैंड पर विशाल आमसभा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद क्षेत्रीय जनता द्वारा विशाल रैली निकालकर नगर भ्रमण किया जाएगा। रैली लामता रेलवे स्टेशन के सामने पहुंचेगी, जहां पुन: आमसभा आयोजित की जाएगी। आमसभा के बाद क्षेत्रीय जनता द्वारा रेलवे विभाग के अधिकारी को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। क्षेत्रवासियों ने लामता एवं आसपास के सभी नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों से आंदोलन में शामिल होकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने की अपील की है।

शिक्षक-भविष्य की दिशा और शिक्षा का नया स्वरूप

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे। परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण-पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे। आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है।

ईडी का 2 सितंबर का बड़ा प्रहार व्हॉइट-कॉलर क्रॉइम का नया चेहरा

वैश्विक अर्थव्यवस्था में वित्तीय अपराधों की बदलती प्रकृति और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बहु-राज्यीय कार्रवाई- एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व तकनीकी गति,डिजिटल वित्तीय व्यवस्था और सीमाहीन व्यापार की सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसी परिवर्तन ने आर्थिक अपराधों को भी पहले की तुलना में अधिक जटिल, संगठित और अंतरराष्ट्रीय बना दिया है।आज धन की अवैध आवाजाही केवल नकदी या पारंपरिक बैंक खातों तक सीमित नहीं है,बल्कि भुगतान मंचों,डिजिटल माध्यमों, मुखौटा कंपनियों जटिल व्यावसायिक संरचनाओं और सीमा-पार लेन-देन के माध्यम से अपराध की नई अर्थव्यवस्था तैयार हो रही है। भारत जैसे तेजी से विकसित होते देश में, जहां डिजिटल भुगतान, अवसंरचना निर्माण और वित्तीय गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं,वहां आर्थिक पारदर्शिता और सार्वजनिक धन की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि मीडिया में आई जानकारी के अनुसार, इसी व्यापक संदर्भ में 2 सितंबर 2026 को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई दो महत्वपूर्ण बहु-क्षेत्रीय तलाशी कार्रवाइयां विशेष महत्व रखती हैं।एक ओर साइप्रस- आधारित ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच परिमैच से जुड़े कथित धनशोधन नेटवर्क की जांच के तहत महाराष्ट्र, दिल्ली -एनसीआर,राजस्थान और गुजरात में 12 स्थानों पर तलाशी ली गई,जबकि दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के टोल प्लाजा से संबंधित कथित वित्तीय धोखाधड़ी की जांच में सात क्षेत्रों में 14 परिसरों को निशाना बनाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात इस रैकेट में भुगतान एग्रीगेटर्स,चार्टर्ड अकाउंटेंट वकील और कंपनी सेक्रेटरीकी भूमिका सबसे प्रमुख बनकर उभरी है। ये पेशेवर, जिन्हें वित्तीय प्रणालियों का संरक्षक माना जाता है, शेल कंपनियों के निर्माण और उनके माध्यम से फंड को डायवर्ट करने के मुख्य सूत्रधार पाए संभावना व्यक्ति की गई है। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) जो मनी लॉन्ड्रिंग पर नजर रखने वाली एक वैश्विक संस्था है,ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि वकील, सीए और पेशेवर एकाउंटेंट अक्सर अनजाने में या जानबूझकर मनी लॉन्ड्र्स के लिए गेटकीपर के रूप में कार्य करते हैं।जब कोई सीए या कंपनी सेक्रेटरी किसी फर्जी पते पर कंपनी का पंजीकरण करता है और उसके माध्यम से करोड़ों रुपये का लेन-देन दिखाता है, तो वह देश की पूरी वित्तीय सुरक्षा प्रणाली को सटीकता से पंगु बना देता है। साथियों बात अगर हम एनएचएआई टोल प्लाजा मामला राष्ट्रीय अवसंरचना में तकनीकी धोखाधड़ी की गंभीर चुनौती इसको समझने की करें तो,इस राष्ट्रव्यापी जांच का एक महत्वपूर्ण आयाम राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के टोल प्लाजा से जुड़ी कथित वित्तीयधोखाधड़ी है।प्रवर्तन निदेशालय ने 2 सितंबर को उत्तर प्रदेश, राजस्थान,महाराष्ट्र, जम्मू- कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली- एनसीआर और पश्चिम बंगाल में 14 परिसरों पर तलाशी ली। जांच का केंद्र कथित रूप से ऐसे अनधिकृत सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल है, जिनके माध्यम से वैध टोल रसीदों के समान रसीदें तैयार कर संग्रहित राशि कोआधिकारिक लेखा प्रणाली से बाहर मोड़ने की आशंका सामने आई है। एजेंसी के अनुसार, फोरेंसिक जांच और एनएचएआई के अभिलेखों से ऐसे सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। अब जांच का उद्देश्य डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य जुटाना, कथित लाभार्थियों की पहचान करना तथा अपराध से प्राप्त धन की वास्तविक दिशा का पता लगाना है।यह मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग केवल सड़कें नहीं, बल्कि देश की आर्थिक जीवनरेखा हैं। टोल व्यवस्था से प्राप्त प्रत्येक राशि सार्वजनिक अवसंरचना, रखरखाव और यातायात व्यवस्था से जुड़ी होती है।यदि तकनीकी माध्यमों का दुरुपयोग करके सार्वजनिक राजस्व को आधिकारिक लेखा प्रणाली से बाहर किया जाता है, तो नुकसान केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता; इससे डिजिटल शासन, सार्वजनिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और नागरिकों के विश्वास पर भी असर पड़ता है। आधुनिक वित्तीय अपराध की यही विशेषता है कि अपराधी अब केवल व्यवस्था की कमजोरी तलाशते नहीं, बल्कि तकनीक को ही अपराध का साधन बना लेते हैं। साथियों बात अगर हम परिमैच मामला- ऑनलाइन सट्टेबाजी से सीमा-पार धन के कथित नेटवर्क तक को समझने की करें तो,2 सितंबर की दूसरी बड़ी कार्रवाई साइप्रस- आधारित ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच परिमैच और उससे जुड़े कथित वित्तीय नेटवर्क पर केंद्रित रही। प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र में पांच, दिल्ली-एनसीआर में चार, राजस्थान में दो और गुजरात में एक स्थान पर तलाशी ली। छापेमारी सीधे तौर पर उन सफेदपोश अपराधियों (वाइट-कालर क्रिमिनल्स) पर लक्षित थी, जो इस अवैध धन को वैध बनाने के तंत्र का संचालन कर रहे थे।इस रैकेट में भुगतान एग्रीगेटर्स (पेमेंट कम्पनीज) चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) की भूमिका सबसे प्रमुख बनकर उभरी है।डिजिटल अर्थव्यवस्था में भीतरघात- पेमेंट एग्रीगेटर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के उस गठजोड़ का सच जिसने ईडी को हिला दिया।ये पेशेवर,जिन्हें वित्तीय प्रणालियों कासंरक्षक माना जाता है, शेल कंपनियों के निर्माण और उनके माध्यम से फंड को डायवर्ट करने के मुख्य सूत्रधार पाए गए।मीडिया के अनुसार, कुछ भुगतान कंपनियों पर सट्टेबाजी से प्राप्त रकम को नकदी में बदलने तथा कुछ पेशेवरों पर अवैध धन प्रेषण और कथित फर्जी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के माध्यम से रकम को विदेश भेजने में सहायता करने का आरोप है।इस मामले का सबसे चिंताजनक पहलू इसकी कथित बहु-स्तरीय वित्तीय संरचना है। यदि अपराध से प्राप्त धन पहले देश के भीतर कई खातों और संस्थाओं के बीच घुमाया जाए और उसके बाद अलग-अलग वित्तीय माध्यमों के जरिए विदेश भेजा जाए, तो जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक स्रोत और अंतिम लाभार्थी तक पहुंचना अत्यंत कठिन हो जाता है। यही वह प्रक्रिया है जिसे सामान्यत:धन की परत-दर-परत आवाजाही कहा जाता है। परिमैच मामले में प्रवर्तन निदेशालय की पिछली कार्रवाई के दौरान लगभग 112 करोड़ रुपये की संपत्तियां फ्रीज किए जाने की रिपोर्ट भी सटीकता से सामने आई है। साथियों बात अगर हम बहु- राज्यीय और बहु-स्तरीय जांच का रणनीतिक महत्व को समझने की करें तो, 2 सितंबर 2026 की दोनों कार्रवाइयों का सबसे बड़ा महत्व उनकी भौगोलिक व्यापकता और वित्तीय अपराध की बदलती प्रकृति को समझने में है। परिमैच जांच में चार राज्यों और दिल्ली-एनसीआर के 12 स्थानों को निशाना बनाया गया, जबकि एनएचएआई मामले में सात क्षेत्रों के 14 परिसरों पर तलाशी हुई। इसका अर्थ यह है कि जांच अब किसी एक शहर, बैंक खाते या कंपनी तक सीमित नहीं रही, बल्कि धन के स्रोत, उसके मध्यवर्ती ठिकानों, तकनीकी साधनों और संभावित अंतिम लाभार्थियों को एक साथ जोड़कर देखने की दिशा में आगे बढ़ रही है।आर्थिक अपराधों के विरुद्ध आधुनिक जांच की सफलता इसी बात पर निर्भर करती है कि जांच एजेंसियां केवल यह न देखें कि पैसा कहां जमा हुआ, बल्कि यह भी पता लगाएं कि पैसा कहां से आया, किन संस्थाओं से होकर गुजरा, किस तकनीकी माध्यम का इस्तेमाल हुआ और अंतत: उसका लाभ किसे मिला। इस दृष्टि से बहु-राज्यीय तलाशी केवल छापेमारी नहीं, बल्कि धन की पूरी यात्रा को पुनर्निर्मित करने का प्रयास है। साथियों बात कर हम वित्तीय पेशेवर और भुगतान प्रणाली- व्यवस्था के द्वारपाल की जिम्मेदारी इसको समझने की करें तो, परिमैच मामले ने वित्तीय पेशेवरों की भूमिका पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।भुगतान कंपनियां,भुगतान द्वार,चार्टर्ड लेखाकार और कंपनी सचिव आधुनिक वित्तीय व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इन संस्थाओं और पेशेवरों की विशाल बहुमत कीभूमिका वैध और आवश्यक है; इसलिए किसी जांच में नाम आने मात्र से किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी मानना उचित नहीं होगा। अंतिम जिम्मेदारी जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही निर्धारित होगी।लेकिन यदि कोई पेशेवर जानबूझकर फर्जी कंपनियों,संदिग्ध लेन-देन या अवैध धन के स्थानांतरण को आसान बनाता है, तो उसकी भूमिका पूरे वित्तीय सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।वित्तीय कार्रवाई कार्य बल ने भी इस जोखिम को लंबे समय से रेखांकित किया है। उसके अनुसार वकील, लेखाकार, कंपनी और न्यास सेवा प्रदाता जैसे पेशेवर वित्तीय व्यवस्था के द्वारपाल बन सकते हैं और अपराधियों द्वारा अनजाने या जानबूझकर दुरुपयोग किए जा सकते हैं। 2024 की वित्तीय कार्रवाई कार्य बल समीक्षा ने भी इस बात पर जोर दिया कि ऐसे पेशेवरों के लिए प्रभावी धनशोधन-विरोधी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। इसलिए भविष्य की वित्तीय सुरक्षा केवल बैंकों और जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। भुगतान कंपनियों, लेखाकारों, कंपनी सचिवों,बैंकों,तकनीकी मंचों और नियामक संस्थाओं के बीच मजबूत सूचना- साझाकरण व्यवस्था विकसित करना आवश्यक होगा। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग को भी आर्थिक अपराध के विरुद्ध वैश्विक सुरक्षा मजबूत करने का महत्वपूर्ण सटीक आधार माना है। साथियों बात अगर हम डिजिटल अर्थव्यवस्था मेंतकनीक विकास का माध्यम भी, अपराध का हथियार भी,इसको समझने की करें तो,एनएचएआई और परिमैच मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण समानता दिखाई देती है तकनीक और वित्तीय प्रणालियों का कथित दुरुपयोग। एक मामले में अनधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से टोल संग्रह व्यवस्था को प्रभावित करने का आरोप है, जबकि दूसरे मामले में भुगतान प्रणालियों और वित्तीय माध्यमों के जरिए कथित सट्टेबाजी धन को इधर-उधर करने की जांच हो रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था जितनी तेजी से विकसित होगी, साइबर और वित्तीय अपराधों की निगरानी उतनी ही उन्नत करनी होगी।भारत के लिए चुनौती दोहरी है। एक तरफ डिजिटल भुगतान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है, दूसरी तरफ उसी तकनीक के दुरुपयोग को रोकना है। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वित्तीय निगरानी,संदिग्ध लेन-देन की वास्तविक समय में पहचान लाभार्थी स्वामित्व की पारदर्शिता और मजबूत डिजिटल लेखा-परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं को सटीकता से लगातार विकसित करना होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

डॉक्टरों की सुरक्षा से समझौता नहीं, अस्पतालों में हिंसा पर लगे निर्णायक लगाम

-कांतिलाल मांडोत

देश में डॉक्टर को अक्सर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। यह केवल एक भावनात्मक उपमा नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है जिसके सहारे कोई व्यक्ति अपने जीवन और अपने परिवार के सदस्य का जीवन चिकित्सक के हाथों में सौंप देता है। बीमारी, दुर्घटना या किसी गंभीर संकट की स्थिति में परिवार का सबसे पहला सहारा अस्पताल और डॉक्टर ही होते हैं। उस समय मरीज और उसके परिजन डॉक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह हर संभव प्रयास करके जीवन बचाएगा। ऐसे में उसी डॉक्टर के साथ अस्पताल के भीतर मारपीट, गाली-गलौज या धमकी की घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र की गरिमा और समाज के भरोसे पर चोट है। ठाणे के नगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी गंभीर सवाल को सामने रखती है। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा ट्रायल कोर्ट से दी गई जमानत पर रोक लगाने और मामले का स्वत: संज्ञान लेने के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे समेत आरोपियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट संकेत दिया कि अस्पताल में घुसकर डॉक्टरों पर हमला करने जैसी घटनाओं को सामान्य विवाद मानकर नहीं देखा जा सकता। पीठ ने इस बात को भी गंभीरता से लिया कि घटना में एक महिला डॉक्टर भी मौजूद थीं और मारपीट का वीडियो सामने आया था। न्यायालय का यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि अस्पताल हिंसा के लिए कोई खुला मैदान नहीं हो सकता और कानून के सामने राजनीतिक पहचान अथवा सामाजिक प्रभाव की कोई विशेष ढाल नहीं होनी चाहिए। दरअसल, डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं हैं। यह उस सामाजिक मानसिकता का परिणाम भी हैं जिसमें कई बार मरीज की हालत बिगड़ने या उपचार में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर गुस्सा डॉक्टर के खिलाफ मोड़ दिया जाता है। परिवार का दुख और चिंता स्वाभाविक है। किसी अपने को गंभीर स्थिति में देखकर व्यक्ति विचलित हो सकता है। लेकिन भावनात्मक आक्रोश को हिंसा में बदलने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। बीमारी हमेशा डॉक्टर की गलती नहीं होती और हर चिकित्सा प्रक्रिया का परिणाम मरीज या उसके परिजनों की इच्छा के अनुरूप हो, यह भी संभव नहीं है। चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं और जटिलताओं के बीच काम करता है। इस वास्तविकता को समझे बिना डॉक्टर को हर असफलता का जिम्मेदार ठहराना खतरनाक प्रवृत्ति है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल जैसी जगह, जहां व्यक्ति सुरक्षा और उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचता है, वहां डॉक्टर स्वयं असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। यदि चिकित्सक को यह भय रहने लगे कि किसी मरीज के परिजन या भीड़ इलाज के परिणाम से नाराज होकर उस पर हमला कर सकती है, तो इसका सीधा असर चिकित्सा व्यवस्था पर पड़ेगा। डॉक्टर निर्णय लेने में हिचकेंगे, तनाव बढ़ेगा और कई बार कठिन परिस्थितियों में जरूरी चिकित्सकीय फैसले लेने का साहस भी प्रभावित हो सकता है। इसका नुकसान अंतत: मरीज को ही होगा। इसलिए डॉक्टरों की सुरक्षा को किसी पेशेवर समूह की विशेष मांग समझना भूल होगी। यह सीधे-सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रश्न है। जिस देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की बात हो रही है, वहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अस्पतालों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील मामलों में प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, शिकायतों के लिए प्रभावी व्यवस्था और हिंसा की स्थिति में तत्काल कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष कानून के शासन से जुड़ा है। लोकतंत्र में कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधि होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को अस्पताल में जाकर डॉक्टर से दुर्व्यवहार या मारपीट करने का अधिकार मिल जाता है। यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि ही कानून को अपने प्रभाव की सीमा में समझने लगे तो आम नागरिक से कानून के सम्मान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? जनप्रतिनिधियों पर तो सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक जिम्मेदारी होती है, क्योंकि उनका आचरण समाज के लिए उदाहरण बनता है। यह भी जरूरी है कि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के व्यवहार को लेकर स्पष्ट आचारसंहिता तय करें। अस्पताल में हिंसा करने वाला व्यक्ति किसी दल का समर्थक हो, पदाधिकारी हो या निर्वाचित प्रतिनिधि, उसके खिलाफ कार्रवाई केवल इसलिए कमजोर नहीं पड़नी चाहिए कि उसके पीछे राजनीतिक पहचान है। राजनीति का उद्देश्य समाज में व्यवस्था और विश्वास कायम करना है, न कि किसी व्यक्ति को कानून से बचाने का माध्यम बनना। डॉक्टरों के साथ होने वाली बदसलूकी का एक कारण अस्पतालों में संवाद की कमी भी है। गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज के परिजन स्वाभाविक रूप से कई सवाल पूछते हैं। उन्हें उपचार, बीमारी की गंभीरता, संभावित जोखिम और आगे की प्रक्रिया के बारे में पर्याप्त जानकारी न मिले तो बेचैनी और असंतोष बढ़ सकता है। अस्पताल प्रशासन को मरीजों और परिजनों के साथ संवाद की ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे शिकायतों को हिंसा का रूप लेने से पहले ही रोका जा सके। लेकिन संवाद की व्यवस्था का अर्थ यह कतई नहीं कि हिंसा को सहन किया जाए। शिकायत का अधिकार हर व्यक्ति को है, हिंसा का अधिकार किसी को नहीं। महिला डॉक्टर के साथ हुई मारपीट इस मामले को और गंभीर बनाती है। कार्यस्थल पर किसी महिला चिकित्सक को धमकाना या उसके साथ हिंसक व्यवहार करना सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है और अस्पतालों में बड़ी संख्या में महिला डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी सेवाएं दे रहे हैं। यदि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित नहीं हैं तो यह केवल स्वास्थ्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा का भी सवाल है। अस्पतालों में हिंसा को रोकने के लिए केवल घटना के बाद गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। व्यवस्था को इस तरह बनाया जाना चाहिए कि हिंसा की नौबत ही न आए। अस्पतालों में प्रवेश और सुरक्षा प्रबंधन बेहतर हो, संवेदनशील वार्डों में निगरानी हो, विवाद की स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध हों और किसी भी हमले की सूचना पर पुलिस तेजी से कार्रवाई करे। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में शिकायत निवारण की पारदर्शी प्रणाली होनी चाहिए ताकि वास्तविक लापरवाही के आरोपों की निष्पक्ष जांच भी हो सके। यहां डॉक्टरों की जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। डॉक्टर कानून से ऊपर नहीं हैं। यदि किसी चिकित्सक की लापरवाही साबित होती है तो उसके खिलाफ निर्धारित कानूनी और पेशेवर प्रक्रिया के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जवाबदेही और हिंसा दो अलग-अलग चीजें हैं। चिकित्सा संबंधी शिकायत का समाधान कानूनी प्रक्रिया से होना चाहिए, हाथ उठाकर नहीं। किसी डॉक्टर की गलती का आरोप लगाकर अस्पताल में भीड़ जुटाना या मारपीट करना न्याय व्यवस्था का विकल्प नहीं हो सकता। राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की जिम्मेदारी इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि अस्पतालों में होने वाली हिंसा कई बार स्थानीय प्रभाव और दबाव से जुड़ जाती है। यदि प्रभावशाली लोगों को यह विश्वास हो जाए कि वे अपने पद या राजनीतिक संपर्क के बल पर किसी चिकित्सक को धमका सकते हैं और बाद में आसानी से राहत पा सकते हैं, तो कानून का भय समाप्त हो जाएगा। यही वह स्थिति है जिससे न्यायपालिका की कठोर टिप्पणियां व्यवस्था को सचेत करती हैं।

मानवता की रक्षा ही सबसे बड़ा धर्म

नेपाल में बाढ़ के बाद सैकड़ों अज्ञात शवों को जलाने के बजाय दफनाया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि शवों के अवशेष सुरक्षित रहें और डीएनए जांच से पहचान कर परिजनों को सौंपे जा सकें।इसमें सबसे बड़ा धर्म है मानवता की सेवा, मृत परिजनों को आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना और ईश्वर उनके परिवार के दु:ख को दूर करें,मानवता की सेवा के लिए बलिदान हेतु सिख ही नहीं सभी सनातन धर्मों के एक खास दिन है,9 जुलाई का दिन सिख इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है यह तिथि भाई मणि सिंह जी के शहीदी दिवस के रूप में मनाई जाती है ई मणि सिंह जी (1644-1738) सिख इतिहास के महान विद्वान और अद्वितीय शहीद थे ?वे गुरु गोबिंद सिंह जी के बचपन के साथी थे और 1699 में खालसा सजने के बाद अमृतसर के हरमंदिर साहिब (श्री दरबार साहिब) के मुख्य ग्रंथी बने? भाई मनी सिंह जी की शहादत (Shaheedi) लगभग 90 वर्ष की आयु में हुई थी। कुछ ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, उनका जन्म 10 मार्च 1644 को हुआ था और वे 14 जून 1738 को लाहौर में शहीद हुए थे।मुगलों द्वारा दिवाली मनाने की शर्त पर टैक्स न चुका पाने के कारण, 1738 में उन्हें लाहौर में शरीर के अंग-अंग (जोड़-जोड़) काटकर अत्यंत दर्दनाक तरीके से शहीद कर दिया गया था? भाई मणि सिंह जी का सम्पूर्ण जीवन और उनका परिवार बलिदान और धर्म के प्रति समर्पण का एक अद्वितीय उदाहरण है ,- भाई मणि सिंह जी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के संकलन, प्रचार-प्रसार और संरक्षण में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा कहे गए पवित्र शब्दों को लिखित रूप में प्रस्तुत किया। उनके प्रमुख योगदानों में दमदमा साहिब में संपूर्ण श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के संपादन के दौरान मुख्य लेखक के रूप में सेवा करना शामिल है। उन्होंने सिखों को गुरबानी का पाठ सिखाकर, उसकी अनेक प्रतियाँ लिखकर और उन्हें देश भर के विभिन्न प्रचार केंद्रों में भेजकर गुरबानी के प्रसार को भी बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने गुरु नानक देव जी की जीवनी पर आधारित ज्ञान रत्नावली और भाई गुरदास जी के वारों पर आधारित सिख इतिहास पर आधारित भगत रत्नावली जैसी महत्वपूर्ण रचनाओं का लेखन किया। श्री हरिमंदिर साहिब (दरबार साहिब) के मुख्य ग्रंथी के रूप में, उन्होंने अरदास को औपचारिक रूप दिया और गुरबानी की सच्ची गरिमा को बनाए रखा। इसके अलावा, गुरु गोविंद सिंह जी के देहांत के बाद, माता सुंदरी जी के मार्गदर्शन में, उन्होंने गुरु साहिब की अन्य रचनाओं को एकत्रित किया और उन्हें दशम ग्रंथ के रूप में संकलित किया।वे एक उच्च कोटि के विद्वान थे ?इसके अलावा, उन्होंने ज्ञान रत्नावली (भाई गुरदास जी की वारों का टीका) जैसी प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं? 1716 में बंदा सिंह बहादुर की शहादत के बाद जब सिखों में मतभेद हो गए थे, तब भाई मणि सिंह जी ने अपनी दूरदर्शिता और प्रभाव से तत खालसा और बंदई खालसा के बीच सुलह कराई, तत् खालसा गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा स्थापित मूल सिद्धांतों के पूर्ण अनुयायी थे। ये पारंपरिक नीले वस्त्र पहनते थे और इनका अभिवादन वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह था।बंदाई खालसा बंदा सिंह बहादुर को गुरु गोबिंद सिंह जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में मानते थे। ये लाल वस्त्र पहनते थे और इनका अभिवादन फतेह दर्शन होता था।दोनों गुटों के बीच विवाद इतना ब? गया कि 1721 में अमृतसर में भाई मनी सिंह जी के नेतृत्व में एक निर्णय लिया गया। हरमंदिर साहिब के सरोवर में दोनों विचारधाराओं की पर्चियां एक पर वाहेगुरु जी की फतेह और दूसरे पर फतेह दर्शन डाली गईं। वाहेगुरु जी की फतेह वाली पर्ची पहले ऊपर आने के कारण तत् खालसा को विजयी माना गया। इसके बाद अधिकांश बंदाई खालसा, तत् खालसा में विलय हो गए और पंथ में एकता कायम हुई।भाई मणि सिंह जी के परिवार ने सिख धर्म की रक्षा के लिए कुर्बानियां दीं उनके 10 पुत्रों जिनमें से भाई बचित्र सिंह और भाई उदय सिंह प्रमुख थे और कई पोतों ने युद्धों और संघर्षों में देश व धर्म के लिए शहादत प्राप्त की वे 18वीं शताब्दी के एक महान सिख विद्वान और अकाल तख्त के जत्थेदार थे, जिन्होंने धर्म और पंथ की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था? उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने या मौत का रास्ता चुनने का विकल्प दिया गया? धर्म के प्रति अपनी अटूट निष्ठा दिखाते हुए, उन्होंने मृत्यु को चुना उन्हें शरीर के एक-एक अंग (बंद-बंद) को काटकर बहुत क्रूरता से शहीद किया गया? जब सन् 1704 ई. में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने आनंदपुर छोड़ा तो गुरुजी की आज्ञा के अनुसार भाई मनी सिंह जी माता सुंदरी जी और माता साहिब कौर जी के साथ दिल्ली जाकर रहने लगे तथा सन् 1705 ई. में श्री दशमेश जी की सेवा में दमदमा साहिब पहुंचे। दक्षिण की धरती नांदेड़ जाने के समय भाई मनी सिंह जी भी गुरु जी के साथ चले गये। सचखण्ड गमन करने से पहले दशमेश पिताजी ने माता साहिब कौर जी को भाई मनी सिंह जी के साथ माता सुंदर कौर जी के पास रहने के लिए भेजा। यहीं से माता सुंदर कौर जी ने श्री दरबार साहिब जी का प्रबंध ठीक करने के लिए भाई मनी सिंह जी को सन् 1721 ई. के शुरू में श्री दरबार साहिब जी का ग्रंथी बना कर भेजा। भाई मनी सिंह जी ने शहर के प्रमुख सिक्खों से सलाह ले श्री दरबार साहिब का प्रबंध सुधारा। श्री अमृतसर साहिब में दिपावली का मेला मुगल सरकार ने काफी सालों से बंद करवा रखा था। सन् 1716 ई. से लेकर 1766 ई. तक खालसे के लिए इम्तिहान का वक्त था। खालसा के सिरों की कीमत रखी गई थी। दुश्मन की ताकत को तबाह करने और अच्छे दिनों की तैयारी में खालसा टूट-बिखर गया था। खालसा जंगलों, पहाड़ों और रेगिस्तान में पनाह लेकर बैठा था। खालसा की ताकत को एकजुट करने के लिए भाई साहिब ने एक योजना बनाई। सन् 1738 में भाई साहिब ने सूबा लाहौर से दिपावली मेला लगाने की आज्ञा मांगी। आज्ञा इस शर्त पर दी गई कि मेले के बाद भाई साबिह पाँच हजार रुपए सरकार को देंगे। मेला दस दिन लगना था। इसके लिए भाई मनी सिंह साहिब जी ने खालसा को संदेश भेजे, पर उधर सूबे का दीवान लखपत राय की मदद के लिए बहुत भारी फौज भेज दी गई, जिसने राम तीरथ पर आकर डेरा जमा लिया। इनकी योजना थी कि मेले में जब खालसा एकत्र होगा तो हमला करके खालसा तबाह कर दिया जाए। भाई मनी सिंह साहिब जी को भी इस योजना का पता लग गया। भाई मनी सिंह साहिब ने दुबारा संदेश भेजे की खालसा एकत्र ना हो। भाई मनी सिंह साहिब के हुक्म अनुसार खालसा एकत्र नहीं हुआ।दीपावली के बाद जब लाहौर दरबार ने पैसे मांगे तको भाई भाई मनी सिंह ने स्पष्ट रूप से कह दिया कि खालसा आपकी चालों में नहीं आएगा। एक तरफ आपके फौजी दस्ते खालसा को खत्म करने के लिए गश्त करें और दूसरी तरफ हम आपको पैसे दें। आपका यह वादा था कि खालसे को कुछ नहीं कहा जाएगा। इसलिए, किस बात के पैसे ? उन्होंने इसको एक अपराध का दर्जा देते हुए भाई मनी सिंह और दूसरे सिंघों को गिरफ्तार कर लाहौर ले गए। वहां उनसे कहा गया कि इस्लाम धर्म अपना लो, नहीं तो टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे (हड्डी के हर जोड़ से), लेकिन भाई मणि सिंह ने इस्लाम धर्म अपनाने से साफ मना कर दिया। अब वह समय आया तो जल्लाद ने भाई साहिब से पूछा क्या आप अपनी आंखों पर पट्टी बांधना चाहते हैं? भाई मणि सिंह ने कहा इसकी कोई जरूरत नहीं है आप अपना काम करें।

जब जल्लाद ने उनकी कलाई पकड़ी और काटने लगा तो भाई मणि सिंह ने उसे रोक दिया और कहा जल्लाद या तो आप समझे नहीं या आप अपना काम भूल गए हैं, आपको हड्डी के हर जोड़ से टुकड़े-टुकड़े करने को कहा गया है। इसलिए पहला जोड़ कलाई से नहीं अंगुलिओं के पोर पर बनता है। इस बंद से पहले कितने बंद बनते हैं, इसलिए अंगुलिओं से शुरू कर।उनका जीवन और शहादत सिखों के लिए अदम्य साहस, धर्म के प्रति समर्पण और अटूट विश्वास का प्रतीक है। उनके पूरे परिवार और पीढ़ियों ने पंथ के लिए महान बलिदान दिए हैं भाई मणी सिंह के परिवार को गुरुघर से कितना प्यार और लगावा था। भाई मणी सिंह के 12 भाई हुए जिनमें 12 के 12 की शहीदी हुई, 9 पुत्र हुए 9 के 9 पुत्र शहीद। इन्हीं पुत्रों में से एक पुत्र थे भाई बचित्र सिंह जिन्होंने नागणी बरछे से हाथी का मुकाबला किया था। दूसरा पुत्र उदय सिंह जो केसरी चंद का सिर काट कर लाया था। 14 पौत्र भी शहीद, भाई मनी सिंह जी के 13 भतीजे शहीद और 9 चाचा शहीद जिन्होंने छठे पातशाह की पुत्री बीबी वीरो जी की शादी के समय जब फौजों ने हमला कर दिया तो लोहगढ़ के स्थान पर जिस सिक्ख ने शाही काजी का मुकाबला करके मौत के घाट उतारा वो कौन था, वे मनी सिंह जी के दादा जी थे। दादा के 5 भाई भी थे जिन्होंने ने भी शहीदी दी यह केवल सिख धर्म के लिए नहीं है, बल्कि मानवता की रक्षा के लिए एक सर्वोच्च बलिदान है।इसलिए हमें मानवता की रक्षा करना चाहिए।

-संजय गोस्वामी

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 235500, चाँदी (99) 235100, टंच 234600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 151000,

ई-कॉमर्स कंपनियों को केवल निर्यात के लिए माल रखने की अनुमति

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव अधिसूचित किए हैं। अब विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स कंपनियां भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं का भंडार केवल निर्यात के उद्देश्य से रख सकेंगी, जिससे भारतीय उत्पादों के वैश्विक बाजार तक पहुँच बढ़ेगी। यह निर्णय 2 सितंबर को जारी अधिसूचना के साथ प्रभावी हो गया है, जो जुलाई में घोषित नीति का क्रियान्वयन है। आर्थिक मामलों के विभाग ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2019 में एक नया प्रावधान जोड़ा है। इन नियमों में स्पष्ट किया गया है कि कंपनियों को भारत में बना माल अपने पास रखकर उसका निर्यात करने की अनुमति तो होगी, लेकिन घरेलू बाजार में खुदरा बिक्री के लिए इसी तरह का माल रखने की इजाजत नहीं होगी। इस कदम का उद्देश्य ई-कॉमर्स क्षेत्र में विदेशी निवेश का उपयोग केवल भारत में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए करना है, न कि घरेलू खुदरा बिक्री को प्रभावित करने के लिए। ई-कॉमर्स इकाई को इस निर्यात-आधारित मॉडल के तहत संचालन के लिए विदेशी व्यापार नीति, 2023 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन (माल एवं सेवाओं का निर्यात) विनियम, 2015 के प्रावधानों का पालन करना होगा।

रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस आयात, दिशानिर्देशों का इंतजार

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस के आयात को नियंत्रित करने के लिए गठित अंतर-मंत्रालयी समिति एक साल बाद भी विस्तृत दिशानिर्देश जारी नहीं कर पाई है। इससे लगभग 150 करोड़ रुपये के बढ़ते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। भारत में, विशेषकर छोटे शहरों के अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर, कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) और मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर जैसी महंगी मशीनों की लागत कम करने के लिए इन उपकरणों पर निर्भर करते हैं। 1500 करोड़ रुपये के कुल चिकित्सा उपकरण बाजार में रिफर्बिश्ड डिवाइस की हिस्सेदारी 10 फीसदी (लगभग 150 करोड़ रुपये) है। घरेलू विनिर्माताओं को आशंका है कि बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के आसान आयात से मरीज असुरक्षित उपकरणों के संपर्क में आ सकते हैं और भारत पुरानी मशीनों का कबाड़घर बन सकता है। समिति को यह तय करना है कि कौन से उपकरण आयात किए जा सकते हैं, उनकी अधिकतम उम्र क्या होगी, कौन सुरक्षा व कार्यक्षमता प्रमाणित करेगा और खराबी की स्थिति में किसकी जिम्मेदारी होगी। हालांकि, समिति ने अभी तक केवल कुछ बैठकें की हैं और बाजार डेटा की जांच शुरू की है। स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय और उद्योग प्रतिनिधियों सहित इस समिति की धीमी प्रगति पर एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री के राजीव नाथ ने चिंता जताई है, जो विस्तृत दिशानिर्देशों के जल्द जारी होने की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

डेरिवेटिव सेटलमेंट नियमों में बदलाव करेगा सेबी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के तरीके में बदलाव का प्रस्ताव रखेगा। बाजार में हाल ही में लागू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) मैकेनिज्म पर मिली कड़ी प्रतिक्रिया और मूल्य विसंगतियों की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। इस संबंध में एक सप्ताह के भीतर कंसल्टेशन पेपर जारी किया जाएगा। बाजार भागीदारों ने 3 अगस्त से लागू 20 मिनट की सीएएस विंडो के दौरान अचानक मूल्य वृद्धि और गड़बड़ियों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने सीएएस और सामान्य ट्रेडिंग घंटों के दौरान चल रही कीमतों के बीच बड़े अंतर, खासकर एक्सपायरी के दिनों में, को उजागर किया। नई व्यवस्था के तहत सीएएस से तय क्लोजिंग कीमत ही डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की सेटलमेंट कीमत का आधार बनती है। सीएएस लागू होने के बाद कई मौकों पर बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी की एक्सपायरी कीमतों में 0.31 फीसदी तक का बड़ा अंतर देखा गया। इन चिंताओं के मद्देनजर, सेबी ने बाजार प्रतिभागियों, स्टॉक ब्रोकरों, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और म्युचुअल फंड सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें कीं। हाल ही में सेबी ने पुष्टि की कि वह शुरुआती अनुभवों और हितधारकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर डेरिवेटिव सेटलमेंट कीमत तय करने के तरीके में बदलाव प्रस्तावित करेगा। एक्सचेंजों ने भी सीएएस से जुड़े नियमों में कुछ बदलाव किए हैं, जिसके तहत दोपहर 3 बजे से 3=15 बजे के बीच हुए कारोबार के वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस (वीडब्ल्यूएपी) का इस्तेमाल रेफरेंस कीमत के लिए किया जा सकता है।

जन्माष्टमी पर सोने की चमक फिर लौटी, वैश्विक कारकों से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। एजेंसी। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को सोने की कीमतों में बड़ी हलचल देखने को मिली। लगातार तीन दिनों की गिरावट का सिलसिला थम गया है और कीमती धातुओं ने फिर से चमक पकड़ ली है। पिछले दो दिनों में 24 कैरेट सोने के दाम 3,340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गए हैं, जिसने निवेशकों और खरीदारों दोनों को प्रभावित किया है। देश के ज्यादातर शहरों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना अब 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि मुंबई में यह 1,55,360 रुपये पर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,443.93 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने की कीमतों में तीन दिनों तक लगातार गिरावट देखी गई थी, जिसमें 24 कैरेट सोना कुल 6,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ था। हालांकि, अब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक परिस्थितियों के चलते कीमती धातुओं में फिर से तेजी लौटती दिख रही है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले चार दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में आई तेजी का कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होना है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 362.57 अंक बढ़कर 76,515.43 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24.25 अंक बढ़कर 23,897.70 पर बंद हुआ। आज धातु और कमोडिटीज शेयरों में बढ़त रही। वहीं निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी पीएसई बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी रियल्टी , निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी , निफ्टी ऑटो , निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही। मिडकैप और स्मॉलकैप में

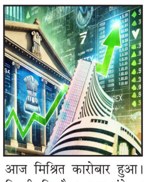

आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 156.15 अंक टूटकर 63,079.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 44.70 अंक की तेजी के साथ 20,095.45 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 490 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी भी 23,900 के ऊपर बना रहा। बाजार की तेजी के पीछे वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत प्रमुख कारण रहे। गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली थी, जिसमें डाउ जोंस 1.18 फीसदी, एसएंडपी 500 लगभग 1.06 फीसदी और नैस्डैक 1.4 फीसदी चढ़कर बंद हुए थे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वॉलर द्वारा ब्याज दरों में कटौती के नरम संकेतों ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में भी सुबह तेजी का रुख दिखा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अभी भी बाजार के लिए जोखिम बनी हुई हैं, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

एफएसएसएआई की सख्ती से रेस्टोरेंट अलर्ट, नियमों से जुड़े सवाल 40 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा रेस्टोरेंट पर की गई हालिया सख्त कार्रवाई ने खाद्य व्यवसायियों को नियमों के पालन के प्रति अधिक गंभीर कर दिया है। नतीजतन, जुलाई से लेकर अब तक खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े सवालों में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे परामर्शदाताओं के पास काम बढ़ गया है। परामर्शदाताओं के अनुसार, ये सवाल मुख्य रूप से साफ-सफाई, भोजन भंडारण, खाना पकाने के तरीके, खाद्य रंगों व तेल के उपयोग, शाकाहारी-मांसाहारी भोजन के पृथक्करण और अनिवार्य दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित हैं। इन जिज्ञासाओं का सीधा संबंध एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित कठोर शर्तों से है। मुंबई स्थित आकांक्षा मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के एक मुख्य परामर्शदाता ने बताया कि उनकी कंपनी को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण व प्रमाणन से जुड़ी पूछताछ में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। एफएसएसएआई की बढ़ती सख्ती ने कारोबारियों को प्रशिक्षण और दस्तावेजीकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने जानकारी दी कि जहां पहले महीने में मुश्किल से एक प्रशिक्षण सत्र होता था, वहीं जुलाई से अब तक उन्होंने 10-15 ऐसे सत्र आयोजित किए हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 40 लोग शामिल थे। ये प्रशिक्षण एफएसएसएआई के स्वच्छता व साफ-सफाई मानकों की जानकारी देते हैं। हालांकि एफएसएसएआई की ज्यादातर कार्रवाई महाराष्ट्र में केंद्रित है, लेकिन इसका असर दिल्ली-एनसीआर जैसे अन्य शहरों में भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी एक परामर्श कंपनी के विशेषज्ञ ने नियमों के पालन संबंधी 40 फीसदी अधिक सवाल आने की पुष्टि की। इस बढ़ी हुई सख्ती के कारण रेस्टोरेंट संचालकों पर खर्च का बोझ भी बढ़ गया है, जो सही प्रशिक्षण, वेंडर प्रमाणन और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने पर होने वाले खर्च के कारण बढ़ा है।

चीनी के दाम में 20फीसद गिरावट, त्याहारों पर लोगों को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। आने वाले त्योहारों पर चीनी के दाम और गिरने की उम्मीद बढ़ गई है। डिपॉर्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन ने एक्स पर पोस्ट करके चीनी के सस्ता होने की जानकारी दी है। पोस्ट के मुताबिक देश के खुदरा बाजार में चीनी के दाम करीब 5फीसदी तक कम हो गए हैं। इससे पहले चीनी की एक्स-मिल कीमतों में करीब 20फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। अगर चीनीमंडी के आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार शाम को अपडेट किए गए रेट के मुताबिक चीनी के दाम 61 रुपए किलो तक आ गए हैं। दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, रांची में 3 सितंबर को चीनी 61 रुपए में बिकी। गुवाहटी, कानपुर और रायपुर में 62 रुपए किलो थी और चेन्नई में 63 रुपए। सरकार का कहना है कि एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर अब धीरे-धीरे खुदरा बाजार में दिखाई देने लगा है और आने वाले दिनों में चीनी के दाम और गिर सकते हैं। सरकार के मुताबिक एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और ज्यादा दिखाई दे सकता है यानी चीनी की कीमतों में अभी जो राहत मिली है, उसे शुरुआत माना जा सकता है। अगर मिल स्तर पर कीमतों में गिरावट जारी रहती है तो थोक बाजार के बाद खुदरा बाजार में भी चीनी और सस्ती होने हो सकती है। दरअसल, अगस्त में चीनी की कीमतों में अचानक तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसके बाद सरकार ने चीनी बाजार की निगरानी बढ़ा दी। चीनी के स्टॉक, बिक्री और बाजार भाव पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि जमाखोरी और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों को रोका जा सके। सरकार का जोर इस बात पर है कि बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे और सप्लाई में किसी तरह की परेशानी न हो। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि वास्तविक व्यापार और वितरण से जुड़ी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहेंगी यानी निगरानी और कार्रवाई का मकसद सामान्य कारोबार को रोकना नहीं, बल्कि बाजार में कृत्रिम कमी और अनावश्यक कीमत बढ़ोतरी को नियंत्रित करना है।

मेष- आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर काम पूरी एकाग्रता से करना आपके लिए जरूरी रहेगा। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अचानक अटक सकती है, जिससे थोड़ी बेचैनी हो सकती है। परिवार से जुड़ी निजी बातों को बाहर साझा करने से बचें। बड़े-बुजुर्गों के साथ कुछ समय बिताने से रिश्तों में अपनापन और गर्माहट बढ़ेगी। वहीं संतान की जिद या किसी आदत को लेकर आपको गंभीरता से सोचने की जरूरत पड़ सकती है।

वृषभ- आज आपकी समझ और निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रख सकती है, लेकिन बिना मांगे किसी को सलाह देना उल्टा पड़ सकता है। शॉपिंग के दौरान उत्साह में बजट से बाहर जाने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग आपको हर मोड़ पर मजबूती देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उनके इरादों पर भारी पड़ेगी। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा और किसी अटके हुए काम के पूरा होने की राह खुलेगी।

मिथुन- आज सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों के साथ दिन की शुरुआत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काफी काम आएगी। पुराने और रुके हुए काम भी गति पकड़ेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अपनी मेहनत में कमी नहीं आने देनी चाहिए। जीवनसाथी की सफलता आपके लिए खुशी का कारण बनेगी।

कर्क- आज जिम्मेदारियां कुछ ज्यादा महसूस हो सकती हैं और एक साथ कई काम सामने आने से मन थोड़ा उलझ सकता है। हालांकि, अतीत में हुई किसी गलती से मिली सीख इस बार आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा और रौनक भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने के लिए आय और खर्च दोनों पर नजर रखें। संतान की खुशी के लिए नया लैपटॉप या कोई उपयोगी गैजेट खरीदने की योजना बन सकती है।

सिंह- आज आपके सामने कोई शानदार अवसर आ सकता है, जिसे सही तरीके से भुनाने पर करियर में फायदा मिलेगा। यात्रा के दौरान कोई खास खबर या महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पुरानी नौकरी से दोबारा ऑफर मिलने की संभावना भी बन सकती है। ऑफिस में बॉस का भरोसा जीतने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, हालांकि कुछ लोग आपकी तरक्की से खुश नहीं होंगे।

कन्या- आज का दिन उत्साह और अच्छी संभावनाओं से भरा रह सकता है। शेयर मार्केट में निवेश का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ अगर कोई नाराजगी चल रही है तो उसे बहस के बजाय प्यार और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से मानसिक शांति मिलेगी।

तुला- आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी रहेगी, क्योंकि छोटी परेशानी भी आपको अधिक परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का समय है और लगातार प्रयास उन्हें सफलता के करीब ले जाएगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत, अनुशासन और काम करने का तरीका वरिष्ठों को प्रभावित कर सकता है और बॉस आपकी तारीफ भी कर सकते हैं। हालांकि, दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही समझदारी होगी।

वृश्चिक- आज आपकी सकारात्मक सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी और सफलता के नए रास्ते खोल सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप अपनी क्षमता से शानदार ढंग से पूरा करेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई रुकी हुई डील अब अंतिम चरण तक पहुंच सकती है।

धनु- आज का दिन कुछ मामलों में अच्छा तो कुछ में थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। बड़े सपने आपको लगातार मेहनत करने की प्रेरणा देंगे, लेकिन रास्ते में कुछ रुकावटें भी आएंगी। जीवनसाथी के साथ छोटी-सी बात तनाव का रूप ले सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें।

मकर- आज बिजनेस और कमाई को लेकर आपके दिमाग में कई शानदार विचार आ सकते हैं। सही समय पर लिया गया फैसला आर्थिक रूप से बड़ा फायदा दिला सकता है। आय बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने में आपकी पूरी ऊर्जा लगी रहेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई गलत निर्णय लेने से बचें।

कुंभ- आज अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना ही आपकी सबसे बड़ी समझदारी होगी। परिवार के लोग आपकी छोटी-सी बात को भी दिल पर ले सकते हैं, इसलिए शांत रहकर बातचीत करना बेहतर रहेगा। सुख-सुविधाओं और शौक से जुड़ी चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। अपनी निजी जानकारी किसी अनजान या अविश्वसनीय व्यक्ति के साथ साझा न करें।

मीन- आज बेवजह के विवादों और उलझनों से खुद को दूर रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार को सौंपी गई जिम्मेदारियां लोग अच्छी तरह निभाएंगे, जिससे उनके प्रति आपका भरोसा और मजबूत होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

शब्दजाल - 8371

शब्द जाल में 10 विलोम शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
व	पा	र	ख	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	दा	ह	ला	पू	झ	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	टी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

अंधेरा उजाला, लाभ हानि,एडी चोटी, हार जीत, चित पट, पूरा आधा, मर्द औरत, पास दूर, स्वर्ग नर्क, खाली भरा

शब्दजाल - 8370 का हल

[illegible]										
ना	ज	ल	फा	व	अ	ला	र	मा	म	ग
आ	र	पा	र	न	प	स	रा	ल	ग	ला
अ	पं	बा	अ	लं	न	र	ह	न	रु	दे
र	ज	ति	मा	अ	द	ली	ब	द	ली	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7315

1		2		3		4		5	6
		7				8			
9	10			11				12	
			13				14		
15		16			17	18			
		19		20		21			22
23	24			25				26	
			27				28		
29		30		31	32			33	
		34						35	

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7314

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	जं		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	रा	हा		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		रा	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
रा			ज	मी	न		ला	ड	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.38 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.49 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.04 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.20 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.25 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.11 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.55 बजे से
		मिथुन	23.53 बजे से
		कर्क	02.06 बजे से
		सिंह	04.22 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 248 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 21.54 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 21.31 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 12.47 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 11.05 बजे तदनन्तर गर 21.54 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872823 **जूलियन दिन** 2461288.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 22 **विशेष** दही हाण्डी, गोगा नवमी, शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः चित्रकार की उदारता

इंग्लैंड की रॉयल अकादमी के हॉल को चित्रों से सजाने की योजना बनाई गई। इसके लिए देश-विदेश के चित्रकारों को अपने श्रेष्ठतम चित्र भेजने को कहा गया। कुछ ही दिनों में अकादमी के पास चित्रों का ढेर लग गया। अकादमी की विशेषज्ञ समिति इन चित्रों का अवलोकन करती और अच्छे चित्र छांटकर हॉल की दीवार पर लगा देती। अंत में चित्र लगाने के सारे स्थान भर गए, लेकिन छांटे गए सुंदर चित्रों में से एक बचा रह गया। इसे एक युवा चित्रकार ने बनाया था। चित्र में नयापन था और रंगों का बेहतरीन इस्तेमाल किया गया था। विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य ने चित्र की बारीकियों पर ध्यान देते हुए कहा, 'चित्र तो वाकई खूबसूरत है, मगर इसे लगाने के लिए हमारे पास कोई जगह ही नहीं बची है, इसलिए इसे ससम्मान वापस कर दिया जाए।' इंग्लैंड के विख्यात चित्रकार टर्नर भी विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। उन्होंने कहा, 'अभी जगह भरी नहीं है। अब भी एक स्थान बचा हुआ है, जहां यह चित्र लगाया जा सकता है।' समिति के सदस्यउन्हें आश्चर्य से देखने लगे। टर्नर उठे और उन्होंने अपना चित्र उतार कर उसकी जगह उस युवा चित्रकार की पेंटिंग लगा दी। हालांकि टर्नर का चित्र उस युवा चित्रकार की पेंटिंग से बहुत अच्छा था। टर्नर ने कहा, 'युवा चित्रकार को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि इससे दुनिया को एक महान कलाकार मिलने की राह खुलती है।' युवा चित्रकार को इस सचाई का पता बहुत बाद में चला। काफी प्रसिद्ध होने के बाद भी वह आजीवन अपनी सफलता का श्रेय टर्नर को ही देता रहा।

सूडोकु नवताल- 7624

★✩✩✩✩ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7623 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 8839

1	2		3		4			5
	6	7					8	
9		10		11		12		
13						14		15
		16						
17	18						19	
	20			21	22	23		
24			25		26		27	
		28					29	

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रातः-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -8838 का हल

प्र	का	श		छ		आ	स	ज
हा		रा		ब	ह		रे	ह
र	म	ण		जी		नं	दो	ई
	न		र	म		क		
अ	प		न		भ		ट	
	स		ना				म	ला
क	द		म	ज		ना		
ब्र		क		र		न	चा	
	फो	न		ठ		ना	लि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

हाथी, घोड़ा, पालकी जय कन्हैया लाल की

जन्माष्टमी पर कृष्णमय हुआ लांजी, घर-घर सजे कान्हा; आज प्रतिमाओं का होगा विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से शुक्रवार को लांजी नगर सहित आसपास का पूरा क्षेत्र कृष्णमय नजर आया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर में बाल गोपाल की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, वहीं मंदिरों में भी दिनभर धार्मिक आयोजनों का दौर चलता रहा।

घर-घर विराजे बाल गोपाल, भक्ति में डूबा नगर

4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना की। सुबह से ही नगर के प्रमुख स्थानों पर कृष्ण प्रतिमाओं की दुकानें सजी रहीं। विशेष रूप से बस स्टैंड एवं सुभाष चौक के आसपास मूर्तिकारों ने विभिन्न आकार-प्रकार की मनमोहक प्रतिमाएं सजाकर रखीं। नगर के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं में भी प्रतिमाएं खरीदने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालु अपनी पसंद की सुंदर प्रतिमाएं खरीदकर उन्हें श्रद्धापूर्वक घर ले गए। शाम होते ही घरों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू हो गई। कई घरों में आकर्षक झांकियां सजाई गईं। बाल गोपाल को पालने में विराजमान कर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों और घरों में भक्ति गीतों एवं भजनों की स्वरलहरियां गूंजती रहीं।

बाजार में रही रौनक, बढ़ी प्रतिमाओं की मांग

जन्माष्टमी को लेकर लांजी नगर के बाजार में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कृष्ण प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए नगर के अलावा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मूर्तिकारों ने बताया कि इस बार भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं की मांग अच्छी रही। श्रद्धालुओं ने विभिन्न आकार और आकर्षक स्वरूप वाली प्रतिमाओं को पसंद किया। बच्चों में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह रहा। अनेक बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा के स्वरूप में सजे नजर आए। घरों में कान्हा की बाल लीलाओं से जुड़ी झांकियां सजाने को लेकर भी लोगों में उत्साह रहा।

आज विसर्जन के साथ संपन्न होगा जन्माष्टमी उत्सव

5 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ विसर्जन किया जाएगा। इसके साथ ही जन्माष्टमी का यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव संपन्न होगा। विसर्जन के दौरान भी श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिलेगा और नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जय कन्हैया लाल की के जयकारे गूंजेंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पावन पर्व होने के साथ ही धर्म, कर्म, प्रेम, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। लांजी क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ जन्माष्टमी मनाकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखा।

बीमारी के बीच इंसानियत का हाथ

बैगा मरीजों के लिए रोज फल बांटेगा माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। बीमारी और परेशानी के बीच इंसानियत का हाथ किसी दवा से कम नहीं होता। वनांचल से इलाज के लिए सिविल अस्पताल लांजी में भर्ती बैगा समुदाय के मरीजों और उनके परिजनों के लिए इन दिनों ऐसी ही संवेदना की मिसाल देखने को मिल रही है। माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट ने मरीजों की मदद के लिए सेवा का हाथ बढ़ाते हुए 4 सितंबर को अस्पताल पहुंचकर बैगा समुदाय के मरीजों एवं उनके परिजनों को फल वितरित किए। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने मरीजों का हाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खास बात यह है कि यह सेवा केवल एक दिन की औपचारिकता नहीं रहेगी। अस्पताल में बैगा समुदाय के मरीज जब तक भर्ती रहेंगे, तब तक ट्रस्ट की ओर से उन्हें प्रतिदिन फल वितरित किए जाएंगे। बीमारी के कठिन दौर में फल का यह छोटा-सा प्रयास मरीजों और उनके परिजनों के लिए बड़ी आत्मीयता और संबल का एहसास करा रहा है।

एनआरसी के मासूम बच्चों के बीच भी पहुंची सेवा

माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सिविल अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती बच्चों के बीच भी पहुंचकर फल वितरित किए। मासूम बच्चों को फल देते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। इस पहल ने यह संदेश दिया कि सेवा केवल जरूरत की वस्तु पहुंचाने तक सीमित नहीं, बल्कि बीमार व्यक्ति के दर्द को समझकर उसके साथ खड़े होने का नाम भी है।

इलाज के साथ संवेदना का सहारा

सिविल अस्पताल लांजी में इन दिनों उपचार के साथ सेवा और संवेदना की तस्वीर भी दिखाई दे रही है। चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के उपचार में जुटे हैं, वहीं सामाजिक संगठन और सेवाभावी लोग भी जरूरतमंद परिवारों तक मदद पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समय में माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट की पहल मरीजों के लिए भावनात्मक संबल बन रही है।

समाजसेवियों से सहयोग की अपील

माँ लंजकाई मंदिर ट्रस्ट ने समाज के सभी सेवाभावी लोगों से अपील की है कि बीमारी से जूझ रहे बच्चों और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए आगे आएं। ट्रस्ट का कहना है कि संकट की घड़ी में किया गया छोटा-सा सहयोग भी किसी परिवार के लिए बड़ी राहत और उम्मीद बन सकता है। यही संवेदना, सेवा और इंसानियत की सच्ची पहचान है।

शा.उ. विद्यालय लांजी में कृष्ण जन्माष्टमी की धूम

राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियों ने मोहा मन

भजन-नृत्य से गूंजा विद्यालय परिसर, कृष्ण सज्जा व मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय नजर आया। विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण, गोप-गोपियों की आकर्षक वेशभूषा धारण कर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थितजनों का मन जीत लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे ने भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

बाल लीलाओं के मंचन ने बांधा समां

जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं बाल लीलाओं पर आधारित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। श्रीकृष्ण, राधा और गोप-गोपियों के रूप में सजे विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भजन, गीत, नृत्य, भाषण तथा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के मंचन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कृष्ण सज्जा और मटकी फोड़ प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

कार्यक्रम के दौरान कृष्ण सज्जा एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। नन्हे-मुन्ने कृष्ण स्वरूपों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, वहीं मटकी फोड़ प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का रंग भर दिया।

श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य श्री डी.के. फुल्लारे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानव समाज को सत्य, प्रेम, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और कर्मयोग का संदेश देता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया निष्काम कर्म का संदेश आज भी मानव जीवन के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने विद्यार्थियों से श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी गईं। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भैया-बहनों ने राधा-कृष्ण, ग्वाल-बाल और गोपियों की आकर्षक वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं प्राथमिक विभाग के भैया-बहनों ने उत्साह के साथ मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया।

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चे, मटकी फोड़ में दिखाया उत्साह

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, वरिष्ठ आचार्य लेखराम ठाकरे एवं आचार्य त्र्यंबक भगत मंचासीन रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती, मां भारती एवं भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद वाणी वंदना एवं अतिथियों का तिलक-वंदन कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कक्षा सातवीं की उपाधि लटारे एवं सहेलियों, केजी-1 के चिरंजीवी रामटेकर एवं साथियों, कक्षा छठवीं की श्रेया कारलेकर, कक्षा प्रथम की दिव्यांशी ठाकरे एवं सहेलियों, डाली आदमने, कक्षा तीसरी तथा कक्षा नवमी की मृणाली डेकाटे सहित कक्षा दूसरी की वैष्णवी एवं सहेलियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। नृत्य और भजनों से विद्यालय परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया।

कृष्ण-राधा की वेशभूषा ने मोहा मन

जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, ग्वाल-बाल एवं गोपियों की आकर्षक वेशभूषा धारण की। नन्हे विद्यार्थियों की मनमोहक रूप सज्जा ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने कृष्ण जन्मोत्सव की प्रस्तुति देकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

प्राथमिक विभाग के भैया-बहनों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान जय श्री कृष्ण के जयघोष से विद्यालय परिसर गूंज उठा।

कृष्ण के जीवन से सत्य और कर्तव्य की प्रेरणा लेने का संदेश

समापन अवसर पर प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रीना सिसोदिया ने किया। इस अवसर पर अभिभावकगण, आचार्य परिवार एवं विद्यालय के भैया-बहन उपस्थित रहे। अंत में सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के 10 विद्यार्थियों का संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। संयुक्त संचालक संभाग जबलपुर द्वारा जारी खेल कैलेंडर के अनुसार जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के कुल 10 विद्यार्थियों का चयन संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता उमावि कनकी में आयोजित की गई। बालक वर्ग में विद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से चार खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तर के लिए हुआ। चयनित खिलाड़ियों में पियुष चंदनलाल चोरवाडे, मयंक रविन्द्र बडमें, यश खेमचंद बडमें एवं राजीव श्यामलाल चोरवाडे शामिल हैं। वहीं, बालिका वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की पांच छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से चार का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। इनमें कु. दिव्या गिरीश घोंघडे, कु. वर्षा उमेश परते, कु. तेजस्विनी संजय हिरेन्द्रवार एवं कु. मानसी दिनेश वाकले शामिल हैं। इसी प्रकार सांदीपनी विद्यालय वारासिवनी में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में विद्यालय के 14 बालकों ने हिस्सा लिया। इनमें से दो खिलाड़ियों गौरव गुणेश मानकर एवं राकेश खेलचंद पंचाले का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। सभी चयनित विद्यार्थियों ने विद्यालय में पदस्थ खेल शिक्षक आर.जी. नगपुरे के नेतृत्व में प्रतियोगिताओं में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ी अब संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। विद्यालय के अनुसार राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रशस्ति पत्र अथवा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भविष्य में शासकीय सेवा के लिए आवेदन करने पर अतिरिक्त बोनस अंक की पात्रता भी मिलती है। विद्यार्थी विद्यालय समय के बाद विकासखंड लांजी में ब्लॉक खेल समन्वयक के रूप में पदस्थ प्रज्ञात वासनिक के मार्गदर्शन में विभिन्न खेल विधाओं की तैयारी कर रहे हैं। विद्यार्थियों के संभाग स्तरीय चयन पर विद्यालय के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि खेलों में रुचि रखने वाले अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए विद्यालय की ओर से हरसंभव सहयोग और अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

कारंजा के सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम से मना कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

जीवंत झांकियों ने मोहा मन, भैया-बहनों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। कारंजा। विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर, कारंजा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित आकर्षक एवं जीवंत झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भव्य एवं यादगार बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती चांदनी अंकित अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा विशाल दुग्गल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोना सिद्धू कौर एवं श्रीमती प्रगति पालीवाल तथा विशेष आमंत्रित अतिथि श्रीमती नेहा सचिन अग्रवाल एवं श्रीमती किरण प्रवीण अग्रवाल मंचासीन रहीं। सभी अतिथियों का शिशु वाटिका की आचार्याओं द्वारा शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दत्त मंदिर के समक्ष पूजा-अर्चना के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन कराया। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से संबंधित आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। भैया-बहनों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं भारतीय संस्कृति को दर्शाती प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थितजनों को भाव-विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती चांदनी अग्रवाल ने भैया-बहनों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा दुग्गड़ एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोना सिद्धू कौर ने भी भैया-बहनों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतिथियों द्वारा जीवंत झांकियों में सहभागिता करने वाले भैया-बहनों का पूजन-अर्चन भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक राजेश अग्रवाल द्वारा उपस्थितजनों को फल वितरित किए गए। वहीं विद्यालय के अभिभावक एवं परसोड़ी निवासी राजकुमार भागवत ढेकवारे द्वारा मिष्ठान एवं प्रसादी का वितरण कराया गया। उन्होंने विद्यालय की बोर्ड परीक्षा में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 10 हजार की पुरस्कार राशि देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सहभागिता करने वाले भैया-बहनों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल, अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, अभिभावक रमेश नंदनवार, प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे सहित विद्यालय के आचार्य परिवार, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में भैया-बहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती भारती दोनोडे एवं वरिष्ठ आचार्य रविंद्र महारवाड़े ने किया। अंत में भगवान श्रीकृष्ण की महाआरती के साथ कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक समापन हुआ।

कांग्रेसी पीछे रहेंगे, केवल जेन जी युवा आगे होंगे

-राहुल गांधी के कार्यक्रम छात्रों की गूंज को पूरी तरह से किया जा रहा है गैरराजनीतिक -कांग्रेस का एजेंडा नहीं बताया जाएगा, बल्कि युवाओं की सुनेंगे राहुल

भोपाल। 19 सितम्बर को होने वाले राहुल गांधी के कार्यक्रम छात्रों की गूंज को पूरी तरह से गैरराजनीतिक किया जा रहा है। आयोजन के पीछे भले ही कांग्रेस हैं, लेकिन मंच पर युवाओं के हाथों में ही मंच संचालन रहेगा और कांग्रेसी पीछे रहेंगे। राहुल गांधी केवल जेन जी के युवाओं से सीधे बात करेंगे। दावा किया जा रहा है कि कार्यक्रम में न तो कांग्रेस का प्रचार किया जाएगा और न की कांग्रेस के एजेंडे को छात्रों को बताया जाएगा। कल दिल्ली से क्यूआर कोड भी आ गया, जिसके माध्यम से आज से युवाओं के रजिस्ट्रेशन शुरू किए जा रहे हैं। सारा डाटा दिल्ली स्थित कार्यालय में एकत्रित होगा।

भाजपा लगातार कांग्रेस पर हमलावर है और वे राहुल गांधी के कार्यक्रम की आड़ में कांग्रेस पर राजनीति का आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्पष्ट किया कि यह आयोजन पूरी तरह से गैरराजनीतिक रहेगा। 19 सितम्बर को होने वाले कार्यक्रम को लेकर कांग्रेसी बेक स्टेज ही रहेंगे और कांग्रेस का कोई भी नेता राहुल गांधी के साथ मंच पर नजर नहीं आएगा। कार्यक्रम का संचालन भी युवाओं द्वारा किया जाएगा। इसमें लाइव कंसर्ट भी रखा गया है, जिसके बाद सीधे राहुल गांधी मंच पर आएंगे और युवाओं से बात करना शुरू कर देंगे। कार्यक्रम के लिए युवाओं का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि इसके लिए क्यूआर कोड भी जारी कर दिया गया, जिसके माध्यम से युवाओं का रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहा है। इसमें युवाओं को अपना नाम, मोबाइल नंबर और वे किस शहर से हैं, इसकी जानकारी देना होगी। इसके साथ ही एक सर्टिफिकेट भी उन्हें मिलेगा। कुछ युवाओं का चयन उनसे बात करने के लिए भी किया जाएगा, जो अपनी जिज्ञासा को लेकर उनसे चर्चा करेंगे। जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि बैठक में कांग्रेसियों से भी यही बात की गई है। उनसे रजिस्ट्रेशन करवाने का बोला गया है और इसके बाद उनका काम खत्म हो जाएगा, क्योंकि पूरा कार्यक्रम ही युवाओं का है। फिलहाल 50 हजार रजिस्ट्रेशन करवाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अलग-अलग जवाबदारियां सौंपी गई हैं।

भोपाल के व्यापारियों को राहत की उम्मीद, सीएम बोले

सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से रखेंगे पक्ष, बेहतर समाधान निकालेंगे

भोपाल । भोपाल में व्यापारियों और रहवासियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में सरकार अपनी बात मजबूती से रखेगी और कोर्ट के निर्देश के अनुसार आगे का रास्ता निकाला जाएगा। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल से जुड़े सभी मुद्दों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पुराने विवाद का ऐसा समाधान निकले, जिससे सभी पक्षों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट के मार्गदर्शन के आधार पर सरकार आगे की कार्रवाई करेगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे जानापाव जा रहे हैं। मान्यता है कि यहीं महर्षि परशुराम ने भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया था। इस धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सरकार जानापाव को प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास से पर्यटन को बढ़ावा मिला है। उज्जैन में श्री महाकाल लोक बनने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 तक उज्जैन में करीब 60 से 70 लाख श्रद्धालु और पर्यटक आते थे, जबकि अब यह संख्या करोड़ों तक पहुंच गई है। सरकार अब इसी तर्ज पर प्रदेश के दूसरे प्रमुख धार्मिक स्थलों को भी विकसित कर रही है। इसका मकसद केवल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि इन क्षेत्रों में पर्यटन से जुड़े रोजगार और कारोबार के नए अवसर पैदा करना भी है।

31 अक्टूबर तक चुका सकेंगे एकमुश्त राशि

भोपाल। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के ऐसे आवंटियों के लिए राहत की खबर है, जिन पर लंबे समय से लीज रेंट यानी भू-भाटक बकाया है। बोर्ड ने वन टाइम सेटलमेंट योजना की समयसीमा बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी है। पहले इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 31 मार्च निर्धारित थी। समयसीमा बढ़ने से वे आवंटी भी योजना का लाभ उठा सकेंगे, जो निर्धारित अवधि में बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान नहीं कर पाए थे। वन टाइम सेटलमेंट के तहत बकाया लीज रेंट का एकमुश्त भुगतान करने पर नियमानुसार विशेष छूट दी जाएगी।

हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन के मुताबिक प्रदेश के विभिन्न शहरों में लगाए जा रहे समस्या समाधान शिविरों में आवंटी योजना की समयसीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

जेल में नहीं, अस्पताल में होगा महिला कैदियों का प्रसव

भोपाल। मध्य प्रदेश की जेलों में बंद गर्भवती महिला कैदियों के प्रसव को लेकर जेल मुख्यालय ने स्पष्ट व्यवस्था की है। महिला कैदियों का प्रसव जेल में नहीं, बल्कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल या जिला अस्पताल में कराया जाएगा। साथ ही प्रसव के लिए महिला कैदी को 15 दिन की पैरोल देने का प्रावधान भी है। हालांकि जानकारी के अभाव में कई महिला कैदी इस सुविधा का लाभ नहीं ले पा रही हैं।

जेल मुख्यालय अब गर्भवती कैदियों की निगरानी और मजबूत करने की तैयारी में है। खासतौर पर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहले से पहचान की जाएगी, ताकि प्रसव के समय किसी आपात स्थिति में जेल के भीतर डिलीवरी कराने की नौबत न आए। वर्तमान में प्रदेश की जेलों में 10 गर्भवती महिला कैदी हैं। इनमें दो सजा प्राप्त कैदी हैं, जबकि बाकी विचाराधीन हैं।

हर सप्ताह विशेषज्ञ डॉक्टर से जांच

जेल महानिदेशक वरुण कपूर के अनुसार बड़ी जेलों में अस्पताल की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन गर्भवती महिला कैदियों को प्रसव के लिए नजदीकी शासकीय अस्पताल भेजा जाता है। गर्भावस्था के दौरान उनकी हर सप्ताह स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ से जांच कराई जाती है। इसका उद्देश्य मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में जेल का नाम नहीं

सरकार ने महिला कैदियों से जन्म लेने वाले बच्चों को लेकर एक अहम मानवीय व्यवस्था भी की है। बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में जेल का उल्लेख नहीं किया जाएगा। जन्म स्थान के तौर पर संबंधित क्षेत्र या जिस अस्पताल में प्रसव हुआ है, उसका नाम दर्ज किया जाएगा। यानी बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र से जेल में जन्म लेने की पहचान जुड़ने से रोका जाएगा।

पैरोल की जानकारी पहुंचाना चुनौती

प्रसव के लिए 15 दिन की पैरोल की सुविधा होने के बावजूद इसका लाभ सभी पात्र महिला कैदियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। जेल प्रशासन के सामने अब चुनौती यह है कि महिलाओं को उनके अधिकार और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी समय रहते दी जाए। हाल ही में नासिक की एक अदालत ने भी प्रसव के दौरान जेल में बच्चे के जन्म को महिला के लिए गंभीर मानसिक आघात बताते हुए जमानत का निर्देश दिया था।

कुशाभाऊ ठाकरे जयंती पर सीएम मोहन यादव बोले

भाजपा फीनिक्स पक्षी जैसी, कितना भी नष्ट करो, कभी खत्म नहीं होगी

भोपाल। भाजपा के पितृपुरुष और वरिष्ठ नेता कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे के संगठनात्मक कौशल और संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि भाजपा की ताकत उसके कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठन में है। मुख्यमंत्री ने भाजपा की तुलना फीनिक्स पक्षी से करते हुए कहा कि पार्टी को कितना भी कमजोर करने या खत्म करने का प्रयास किया जाए, वह हर बार नई ताकत के साथ खड़ी होती है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा लगातार मजबूत हुई है और आगे भी बढ़ती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके जीवन से संगठन और सरकार चलाने की सीख

ली जा सकती है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद ठाकरे ने संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे ने जीवनभर संघर्ष किया, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ते रहे। उनका जीवन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन को खड़ा करने से लेकर उसे मजबूत बनाने तक ठाकरे का योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

भाजपा को जितना कमजोर करेंगे, उतनी ताकत से लौटेगी

मुख्यमंत्री ने भाजपा की राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने लंबे समय तक कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। तमाम चुनौतियों और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा का संगठन लगातार मजबूत हुआ। उन्होंने फीनिक्स पक्षी का उदाहरण देते हुए कहा कि मान्यता है कि फीनिक्स राख से दोबारा जन्म लेता है। इसी तरह भाजपा को जितना कमजोर करने का प्रयास किया जाता है, पार्टी उतनी ही ताकत के साथ दोबारा खड़ी होती है। मुख्यमंत्री के इस बयान को भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक संघर्ष की क्षमता से जोड़कर देखा जा रहा है।

समान नागरिक संहिता का भी किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश उन बड़े राज्यों में शामिल हो गया है, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई है। उन्होंने सरकार की 'सबको समान दृष्टि' की नीति पर जोर देते हुए कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग को समान नजर से देखती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम की बहन भी हमारी बहन है और हिंदू की बहन भी हमारी बहन है। मुख्यमंत्री ने इसे सरकार की समानता और सामाजिक समरसता की नीति से जोडक़र प्रस्तुत किया।

कृष्ण जन्माष्टमी को कुशाभाऊ ठाकरे को समर्पित बताया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कुशाभाऊ ठाकरे को समर्पित है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश से नई पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन संघर्षों के बीच भी आगे बढ़ते रहे।

17 सितंबर को लोक अदालत

भोपाल। होम लोन की यदि ईएमआई बाउंस हो गई है और बैंक द्वारा भारी भरकम ब्याज वसूला जा रहा है, तो कोर्ट में पेंडिंग ऐसे मामलों को आसानी से सुलझाया जा सकेगा। भोपाल जिला अदालत में लंबित मामलों को जल्द सुलझाने के लिए 17 सितंबर को लोक अदालत लगाई जा रही है। इसमें कुटुंब न्यायालय, श्रम न्यायालय, विद्युत अधिनियम जैसे जुड़े मामलों की सुनवाई की जाएगी। भोपाल कोर्ट में चैक बाउंस और पेमेंट सेटलमेंट के ही करीबन 20 हजार मामले पेंडिंग हैं। लोक अदालत में 4 हजार मामलों का निपटारा करने का लक्ष्य रखा गया है।

भोपाल कोर्ट में करीबन 1 लाख 64 हजार मामले पेंडिंग हैं। इनमें चैक बाउंस के ही 20 हजार से ज्यादा मामले हैं। इसके अलावा कुटुंब न्यायालय से जुड़े 7 हजार 685 मामले चल रहे हैं। ऐसे मामलों में कई मामले ऐसे भी होते हैं, जिनमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों को सुलझाया जा सकता है।

लोक अदालत में जुर्माना राशि में मिलेगी छूट

ऐसे मामलों को सुलझाने और दोनों पक्षों को राहत देने के लिए 17 सितंबर को लोक अदालत लगाई जा रही है। लोक अदालत में इस बार 10 हजार 757 केसेस रिफर किए गए हैं। इसमें से 4 हजार केसेस का निपटारा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कुटुंब न्यायालय में 8 हजार मामले पेंडिंग

जिला विधिक सेवा के सचिव सुनीत कुमार अग्रवाल ने बताया कि राजधानी भोपाल के कुटुंब न्यायालय में करीबन 8 हजार मामले पेंडिंग हैं। इनको लेकर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसमें से 316 मामलों को लोक अदालत के लिए भेजा गया है। सिविल मामलों में कोर्ट निपटने के बाद उनके निष्पादन से जुड़े मामले ही राजधानी भोपाल में करीबन 8 हजार पेंडिंग हैं। ऐसे 300 केसेस की लोक अदालत में सुनवाई की जाएगी।चैक बाउंस और पेमेंट सेटलमेंट एक्ट से जुड़े 20 हजार मामले लंबित है। लोक अदालत में ऐसे करीबन 1 हजार मामलों को सुलझाने का लक्ष्य रखा गया है। भोपाल कोर्ट में विद्युत अधिनियम से जुड़े बिजली चोरी के 1900 मामले पेंडिंग हैं। लोक अदालत में ऐसे करीबन 800 मामलों को रखा जाएगा।

लोक अदालत में जुर्माना राशि में मिलेगी छूट

सचिव सुनीत कुमार अग्रवाल ने बताया कि चैक बाउंस और विद्युत से जुड़े मामले में पेनल्टी की भारी भरकम राशि में विशेष छूट मिल सकेगी। विद्युत वितरण कंपनी से जुड़े घरेलू बिजली कनेक्शन के मामले में 10 लाख तक की वसूली के केस में पेनल्टी पर छूट मिल सकेगी।

गवाह मुकरा तो भी आरोपी नहीं बचेगा

भोपाल । अपराधियों के हाईटेक होते तरीकों के बीच अब मध्य प्रदेश पुलिस अपनी जांच का तरीका बदलने जा रही है। ऐसे मामलों में जहां गवाह अदालत में पहुंचकर अपने बयान से पलट जाते हैं, वहां पुलिस अब केस को गवाहों की गवाही के भरोसे छोडने के बजाय वैज्ञानिक और डिजिटल सबूतों के आधार पर मजबूत करेगी। इसके लिए जांच अधिकारियों को आधुनिक गैजेट्स के जरिए घटनास्थल से फॉरेंसिक सैंपल, डीएनए और डिजिटल एविडेंस जुटाने की ट्रेनिंग दी गई है। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी विंग ने चुनिंदा पुलिस अधिकारियों के लिए तीन दिन की वर्कशॉप-कम-ट्रेनिंग आयोजित की। इसमें फॉरेंसिक, वैज्ञानिक और डिजिटल इन्वेस्टिगेशन के नए तरीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। अधिकारियों को खास तौर पर यह समझाया गया कि किसी केस में गवाह बाद में मुकर भी जाएं, तो घटनास्थल से जुटाए गए वैज्ञानिक साक्ष्य जांच की कड़ी को कमजोर न होने दें।

50 फीसदी आरोपियों के कोर्ट से छूटने पर चिंता

पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपियों को अदालत में दोषसिद्ध कराना है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद करीब 50 फीसदी आरोपी कोर्ट से छूट जाते हैं। इसमें गवाहों के बयान से पलटने की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी गई है। इसी वजह से अब पुलिस का जोर ऐसे साक्ष्य जुटाने पर है, जिन्हें अदालत में तकनीकी रूप से प्रमाणित किया जा सके। घटनास्थल से लिए गए फोटो, वीडियो, डीएनए सैंपल और अन्य फॉरेंसिक साक्ष्य को जांच का अहम आधार बनाया जाएगा।

फॉरेंसिक एक्सपर्ट न हो तो विवेचक खुद जुटाएगा साक्ष्य

ट्रेनिंग के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि यदि घटनास्थल पर तत्काल फॉरेंसिक एक्सपर्ट उपलब्ध नहीं है तो जांच अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि वह आधुनिक उपकरणों की मदद से जरूरी सैंपल और डिजिटल सबूत सुरक्षित तरीके से जुटाए। इसके लिए क्राइम सीन की फोटोग्राफी से लेकर सबूत को कोर्ट में पेश करने तक की प्रक्रिया समझाई गई। सीआईडी के स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण के अंतिम दिन कहा कि आधुनिक अपराधों की जटिल गुत्थियां सुलझाने में तकनीकी ज्ञान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए पुलिसकर्मियों को जांच के वैज्ञानिक तरीकों में दक्ष होना जरूरी है।

फोटो-वीडियो भी अब डिजिटल रिकॉर्ड के साथ

पुलिस अब ई-साक्ष्य ऐप के जरिए केस डायरी और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने पर भी जोर दे रही है। घटनास्थल से लिए गए फोटो और वीडियो में समय, तारीख और जियो-लोकेशन दर्ज होगी। इससे डिजिटल साक्ष्य की प्रामाणिकता बनाए रखने और उसमें बाद में छेड़छाड़ की आशंका कम करने में मदद मिलेगी।

क्राइम सीन की तस्वीरों के भी होंगे दो स्तर

जांच अधिकारियों को घटनास्थल की फोटोग्राफी का तरीका भी सिखाया गया है। पहले ओवरऑल फोटोग्राफी के जरिए घटनास्थल और उसके आसपास का पूरा परिदृश्य रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके बाद क्लोज-अप फोटो में खून के धब्बे, हथियार, पदचिह्न और दूसरे महत्वपूर्ण साक्ष्यों को बेहद करीब से रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके साथ ही सबूतों की चेन ऑफ कस्टडी सुरक्षित रखने और डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी प्रामाणिकता बनाए रखने पर जोर रहेगा। यानी पुलिस की कोशिश अब यह होगी कि आरोपी के खिलाफ केस सिर्फ किसी गवाह के बयान पर निर्भर न रहे, बल्कि घटनास्थल से कोर्ट तक सबूतों की ऐसी कड़ी तैयार हो जिसे तोडना आसान न हो।

1 अक्टूबर से 289 आयुष्मान अस्पतालों में नहीं मिलेगा गरीबों को इलाज

भोपाल। मध्य प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए चिंता बढ़ गई है। प्रदेश के करीब 289 अस्पतालों की योजना से संबद्धता पर संकट मंडरा रहा है। इन अस्पतालों को निर्धारित मान्यता और आवश्यक मानकों को पूरा करने के लिए दी गई अतिरिक्त समय-सीमा 30 सितंबर को समाप्त हो रही है। इसके बाद नियमों का पालन नहीं करने वाले अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का इलाज नहीं कर सकेंगे।

बताया गया है कि अस्पतालों के लिए एंटी-लेबर और एनएबीएच जैसी मान्यताओं से जुड़े मानक पूरे करना जरूरी है। प्रदेश में पहले भी नियमों की अनदेखी पर अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। 83 अस्पतालों में अनियमितताएं मिलने के बाद 15 को निलंबित और 18 को डी-एम्पैनल किया गया, जबकि 50 पर आर्थिक जुर्माना लगाया गया।

डिप्टी कलेक्टर दीपक पांडे अब टीटी नगर एसडीएम

भोपाल । डिप्टी कलेक्टर दीपक पांडे अब भोपाल के टीटी नगर अनुभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने उन्हें एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। पांडे पहले से शहर वृत्त में बतौर एसडीएम पदस्थ हैं। कलेक्टर मिश्रा ने टीटी नगर अनुभाग में एसडीएम की जिम्मेदारी संभाल रही डिप्टी कलेक्टर अर्चना रावत शर्मा को कलेक्ट्रेट में अटैच किया है। गुरुवार देर रात यह आदेश जारी किए। बता दें कि सीलिंग की कार्रवाई को लेकर न्यू मार्केट और रोशनपुरा चौराहे पर हजारों व्यापारी विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं।

मप्र के 22 हजार मंदिरों की खुलेगी पूरी प्रॉपर्टी फाइल

4,500 हेक्टेयर जमीन से आय-व्यय तक ऑनलाइन होगा हिसाब, अतिक्रमण पर भी नजर

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब मंदिरों की संपत्ति सिर्फ सरकारी फाइलों या स्थानीय रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार प्रदेश के 22,098 शासन-संधारित मंदिरों और देवस्थानों की जमीन, चल-अचल संपत्ति, आय, खर्च और प्रबंधन से जुड़ी जानकारी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की तैयारी कर रही है। योजना पूरी होने के बाद पहली बार एक क्लिक पर यह पता लगाया जा सकेगा कि किस मंदिर के पास कितनी जमीन है, उसकी वर्तमान स्थिति क्या है और मंदिर की आय-व्यय व्यवस्था कैसी है।

यह फैसला सिर्फ रिकॉर्ड को डिजिटल करने की कवायद नहीं है। इसके पीछे मंदिरों की संपत्तियों की सुरक्षा, जमीन पर अतिक्रमण की निगरानी और आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता बढ़ाने की बड़ी कोशिश मानी जा रही है।

मंदिरों की संपत्ति का बनेगा पूरा डिजिटल हिसाब

सरकार जिन मंदिरों को इस डिजिटल डेटाबेस से जोडने जा रही है, उनमें छोटे स्थानीय देवस्थानों से लेकर बड़े और प्रसिद्ध मंदिर तक शामिल होंगे। महाकालेश्वर मंदिर, रामराजा सरकार और मैहर की मां शारदा जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल भी इस व्यवस्था का हिस्सा होंगे। पोर्टल पर मंदिर का नाम और इतिहास ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संपत्ति की विस्तृत जानकारी दर्ज करने की योजना है। इसमें मुख्य रूप से मंदिर की चल-अचल संपत्ति, जमीन का कुल रकबा, कृषि भूमि की स्थिति, संपत्ति का वर्तमान उपयोग, पुजारी और प्रबंधन से जुड़ी जानकारी, मंदिर की आय,मंदिर पर होने वाला खर्च और संपत्ति की मौजूदा स्थिति जैसी जानकारियां शामिल की जाएंगी। यानी मंदिरों का रिकॉर्ड केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन्हें संपत्ति और वित्तीय प्रबंधन के नजरिए से भी ट्रैक किया जाएगा।

1,320 मंदिरों के पास 10 एकड़ से ज्यादा जमीन

इस पूरी योजना में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मंदिरों की जमीन का रिकॉर्ड है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 1,320 मंदिर ऐसे हैं जिनके पास 10 एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि है। इन मंदिरों के पास कुल कृषि भूमि करीब 4,500 हेक्टेयर बताई जा रही है। यह जमीन सिर्फ कागज पर दर्ज संपत्ति नहीं है। इससे मंदिरों को आर्थिक आय भी होती है। ऐसी कृषि भूमि की नीलामी संबंधित जिलों के कलेक्टरों के माध्यम से कराई जाती है और उससे मिलने वाली राशि मंदिर के कोष में जमा की जाती है। डिजिटल रिकॉर्ड बनने के बाद इस पूरी व्यवस्था की निगरानी पहले के मुकाबले आसान हो सकती है। सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि किस मंदिर की कितनी जमीन है, वह किसके कब्जे या उपयोग में है और उससे होने वाली आय मंदिर के खाते में किस तरह दर्ज हो रही है।

छोटी जमीन वाले मंदिरों का प्रबंधन पुजारियों के जिम्मे

10 एकड़ से कम कृषि भूमि वाले मंदिरों के मामले में प्रबंधन की जिम्मेदारी संबंधित पुजारियों के पास रहती है। ऐसे में डिजिटल डेटाबेस की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। रिकॉर्ड ऑनलाइन होने के बाद यह पता लगाना आसान होगा कि मंदिर के नाम पर कितनी संपत्ति दर्ज है और उसका उपयोग किस तरह किया जा रहा है। यह व्यवस्था स्थानीय स्तर पर होने वाले विवादों में भी रिकॉर्ड का आधार उपलब्ध करा सकती है। हालांकि डिजिटल रिकॉर्ड अपने आप में जमीन की सुरक्षा की गारंटी नहीं है।

पद स्थायी कराने 5 को प्रदर्शन करेंगे अतिथि शिक्षक

- भोपाल में शिक्षक दिवस पर होगा आंदोलन, सरकार की घोषणाएं तीन साल बाद भी अधूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षक राजधानी के शाहजहानी पार्क में शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के दिन प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान अतिथि शिक्षक तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों का वार्षिक अनुबंध करने और उन्हें बेरोजगार नहीं होने देने की घोषणा का पालन कराने की मांग करेंगे। वे सीधी भर्ती में बोनस अंक देकर स्थायी रोजगार देने के सरकार के फैसले की भी याद दिलाएंगे। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि 2 सितंबर 2023 को मध्य प्रदेश सरकार ने भोपाल के लाल परेड मैदान में अतिथि शिक्षक पंचायत आयोजित की थी। इसमें अतिथि शिक्षकों के हित में कई घोषणाएं की गई थीं। केंद्रीय मंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षकों का वार्षिक अनुबंध करने, बीच सत्र में अतिथि शिक्षकों को बेरोजगार न करने, गुरुजियों की तरह नीति बनाकर नियमित करने और सीधी भर्ती में बोनस अंक देकर स्थायी रोजगार देने का वादा किया था। परिहार ने कहा कि मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के तीन प्रभावशाली नेता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री मोहन यादव अतिथि शिक्षकों को स्थायी करने का समर्थन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश और केंद्र में इन्हीं की पार्टी की सरकार है, तो 18 वर्षों से कार्यरत अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित कराने में क्या दिक्कत है? क्या घोषणाएं सिर्फ चुनाव जीतने के लिए की जाती हैं?

एशिया रग्बी अंडर-18 सेवेन्स आज से, रोहित और सलोनी की कप्तानी में उतरेंगी भारतीय टीमें

नई दिल्ली। चीन के चिंगदाओ में 5 और 6 सितंबर को होने वाले प्रतिष्ठित एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-18 सेवन्स 2026 इवेंट में भारतीय पुरुष टीम रोहित कुमार की कप्तानी जबकि महिला टीम सलोनी कुमारी की कप्तानी में उतरेगी। इस महत्वपूर्ण चैंपियनशिप में कुल 17 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें लड़कों की श्रेणी में नौ और लड़कियों की श्रेणी में आठ टीमें शामिल हैं। भारतीय अंडर-18 लड़कों की टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जहां उनका मुकाबला पिछले साल के फाइनलिस्ट हांगकांग चीन के साथ-साथ मलेशिया और श्रीलंका जैसी मजबूत टीमों से होगा। पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्रे कॉर्नेलियस ने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा, लड़कों ने पिछले कुछ हफ्तों में असाधारण रूप से कड़ी मेहनत की है। कैंप में उनकी प्रतिबद्धता बेमिसाल रही है, और वे भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी को भली-भांति समझते हैं। हम उन्हें चीन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

वहीं भारतीय अंडर-18 लड़कियों की टीम ग्रुप डी में हांगकांग चीन, यूएई और मलेशिया का सामना करेगी। टीम का लक्ष्य पिछले साल के चौथे स्थान से बेहतर प्रदर्शन करना है, जब वे तीसरे स्थान के प्लेऑफ में हांगकांग चीन से हारकर पोडियम पर जगह बनाने से रह गई थीं। महिला टीम की हेड कोच कियानो फोरी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीम ने अभ्यासशिविर के दौरान अच्छा तालमेल दिखाया है। जिससे लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हमें विश्वास है कि वह पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

भारतीय पुरुष टीम 5 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे मलेशिया से, 10:15 बजे हांगकांग चीन से और दोपहर 1:10 बजे श्रीलंका से खेलेगी। वहीं भारतीय महिला टीम उसी दिन सुबह 9 बजे मलेशिया से, दोपहर 12:20 बजे यूएई से और शाम 4:05 बजे हांगकांग चीन से मुकाबला करेगी। 6 सितंबर को नॉकआउट और क्लासिफिकेशन स्तर के मैच खेले जाएंगे।

भारतीय पुरुष टीम: रोहित कुमार (कप्तान), अजीत नाग (उपकप्तान), अरुण, बजरंगी कुमार, ईश्वर पुजारी, पंकज सांसी, पवन राज, प्रणव गावित, प्रियांशु मिश्रा, राहुल माझी, रितेश पोवार, शुभम कुमार।

भारतीय महिला टीम: सलोनी कुमारी (कप्तान), अनीता मुर्मू (उपकप्तान), अदिति लोंधे, आरती कुमारी, ब्यूटी कुमारी, दीपाली ताठे, खमेस्वरी माझी, कीर्ति जाधव, नम्रता भुड़िया, सिमरन परवीन, सुमित्रा मुर्मू, सुशीला।

श्रीकांत बाहर हुए, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

शेनजेन । भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चाइना मास्टर्स बैडमिंटन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। इसी के साथ ही भारत की पदक की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं। श्रीकांत को यहां हुए पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों सीधे गेमों में 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारतीय टीम की एकल में पदक जीतने की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं। पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत का इस मैच में प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। यह ली के खिलाफ श्रीकांत की लगातार चौथी हार थी। उन्हें ली के खिलाफ अपनी एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में श्रीकांत का शुरुआत से प्रदर्शन प्रभावशाली रहा था। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। इससे पहले,

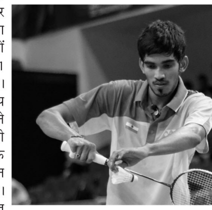

उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू-जेन को सिर्फ 35 मिनट में 21-16, 21-15 से आसानी से हराया।

अब चाइना मास्टर्स में भारत की एकमात्र उम्मीदें पूर्व विश्व नंबर 1 पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के प्रदर्शन पर टिकी है। यह जोड़ी बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 इवेंट में भारत की अंतिम उम्मीद है। इस जोड़ी ने डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन को कड़े संघर्ष में 21-17, 22-24, 21-9 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। वहीं इससे पहले, भारत का महिला एकल अभियान तन्वी शर्मा की हार के साथ ही समाप्त हो गया। तन्वी को जापान की टोमोका मियाजाकी ने 21-17, 18-21, 21-16 से हराया। वहीं मिश्रित युगल में, ध्रुव कपिला और ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो भी चीनी ताइपे के लियू कुआंग-हेंग और सू यिन-हुई के हाथों दूसरे दौर में 21-18, 21-18 की हार के साथ ही बाहर हो गये।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में ख्रेलने को लेकर उत्साहित हैं इलियट एंडरसन

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के नये मिडफील्डर बेल्जियम के इलियट एंडरसन ने कहा है कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर डर्बी मुकाबले में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच होने वाले मुकाबले को मैनचेस्टर डर्बी के नाम से जाना जाता है। एंडरसन ने हाल ही में सिटी से करार कर प्रीमियर लीग में प्रवेश है। इस फुटबॉलर के अनुसार क्लब की जीत की मानसिकता और मुख्य कोच एंजो मारेस्का के साथ काम करने का अवसर उनके इस क्लब में आने का मुख्य कारण है।

एंडरसन ने कहा, मुझे लगता है कि वे सिर्फ विजेता हैं। वे लगातार खेलते रहते हैं। मैं ऐसी ही टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं। मैं मारेस्का के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मैंने पिछले कुछ साल में उनकी टीमों को देखा है और चेल्सी के कुछ खिलाड़ियों से भी बात की है, और वे सभी उन्हें बहुत अच्छा मानते हैं।

अपने करियर में मिली सफलता को लेकर एंडरसन ने कहा, मैं थोड़ा हैरान हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्दी हो गया पर मुझे हमेशा लगता था कि मैं हमेशा ही यहां तक पहुंच सकता हूं। मैं सिटी क्लब को और आगे ले जाने की कोशिश करता रहूंगा। एंडरसन को अपने नए माहौल में जिन सबसे पहले अनुभवों में से एक का सामना करना पड़ेगा, वह प्रतिष्ठित मैनचेस्टर डर्बी होगा। यह एक ऐसा मैच है जिसे उन्होंने हमेशा करीब से देखा है और अब वे सिटी के ड्रेसिंग रूम के अंदर से इसे अनुभव करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े डर्बी में से एक है। जब से मैं मैनचेस्टर को जानता हूं, सिटी मैनचेस्टर के किंग रहे हैं। मैं ऐसी किसी चीज में शामिल होने का इंतजार नहीं कर सकता।

महिला क्रिकेटर सोफिया अगले एक साल तक सिडनी सिक्सर्स में ही रहेंगी

सिडनी। इंग्लैंड की अनुभवी महिला क्रिकेटर सोफिया डंकले अब ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट टूर्नोमेंट बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 12वें सत्र में भी सिडनी सिक्सर्स की ओर से ही खेलती नजर आयेंगी। सोफिया ने इस सत्र के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ अपना अनुबंध एक साल तक के लिउ बढ़ा दिया है। उन्हें ये अनुबंध द हंड्रेड टूर्नामेंट में ट्रेंट रॉकेट्स की ओर से किये उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मिला है।

सोफिया ने द हंड्रेड महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में ट्रेंट रॉकेट्स को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह प्रतियोगिता की सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बनी थी। इससे पहले भी बिग बैश के पिछले सत्र के दौरान इस खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 354 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन के आधार पर ही सिक्सर्स प्रबंधन ने उन्हें टीम में इस बार भी बनाये रखा है।

सोफिया ने टीम में बरकारार रखे जाने पर अपनी वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे पिछले सीजन में सिक्सर्स के साथ बिताया गया समय बहुत पसंद आया था और मैं वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे पिछले साल क्लब के साथ बिताया अपना समय बहुत अच्छा लगा और मैं नॉर्थ सिडनी में लड़कियों के साथ फिर से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उनकी यह प्रतिक्रिया टीम के प्रति उनके लगाव और आगामी सत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दिखाती है।

गौरलब है कि साल 2018 में इंग्लैंड की ओ से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से ही सोफिय ने विश्व की बेहतरीन बल्लेबाज के तौर पर उभरी हैं। वह खेल के सभी प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करती रही है। उनकी बल्लेबाजी से टीम को हमेशा मजबूती मिलती रही है। उनकी यह क्षमता उन्हें बड़े मैचों में निर्णायक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती है।

वहीं सिडनी सिक्सर्स की जनरल मैनेजर रेचल हेन्स ने अगले सत्र के लिए सोफिया के टीम में जुड़ने को क्लब के लिए अच्छा अनुभव बताया है। हेन्स ने कहा, सोफिया ने पिछले सत्र में प्रभावित किया था। उन्होंने हमारी बल्लेबाजी लाइन-अप की क्षमता को बढ़ाया और जल्द ही मैदान पर और मैदान के बाहर ग्रुप की एक अहम सदस्य बन गईं। हेन्स ने सोफिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं जो बड़े मंचों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रहती हैं।

रायबाकिना और गॉफ अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में पहुंची

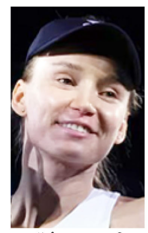

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना और अमेरिका की कोको गॉफ यहां जारी अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ ही तीसरे दौर में पहुंच गयी हैं। रायबाकिना ने महिला एकल में जेसिका बौजास मानेरो को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। रायबाकिना का मुकाबला अब यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा से होगा। वहीं दूसरी ओर अमेरिका की कोको गॉफ ने भी स्पेन की पाउला बडोसा को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। गॉफ ने दो घंटे से भी कम समय में बडोसा को 6-4, 7-6 (7/5) से हराया। इस जीत के साथ ही गॉफ भी विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गयी हैं। बडोसा के खिलाफ अपने पिछले आठ मुकाबलों में से पांच हारने के बावजूद, गॉफ ने इस बार शानदार तरीके से मैच पर अपनी पकड़ बनाई और आसानी से जीत दर्ज की।

मैच के बाद, गॉफ ने कहा, मैं शायद किसी ऐसे खिलाड़ी के साथ नहीं खेलना चाहूंगी जिससे मैं दूसरे दौर में कई बार हारी हूं पर मुझे लगता है कि आज का मुकाबला मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला था। मुझे लगता है कि सीधे सेटों में जीतना भी बहुत बड़ा प्रभाव डालता है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मुकाबला था जिसमें मैं तीन घंटे तक कोर्ट पर नहीं थी। अब गॉफ का सामना स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा से होगा।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया बोले, शहर से बाहर होने के कारण आम बैठक में शामिल नहीं थे अगरकर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की गत दिवस हुई अहम बैठक में चयनसमिति के प्रमुख अजीत अगरकर के शामिल नहीं होने पर सवाल उठे थे। जिसको लेकर अब बोर्ड का जवाब आया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अगरकर के बैठक में नहीं होने के कारण बताते हुए कहा है कि वह इस समय शहर से बाहर ऐसी जगह पर थे जहां से ऑनलाइन बैठक में शामिल होना संभव नहीं था। यह बैठक बहुत ही छोटे नोटिस पर बुलाई गई थी, और अगरकर उस समय शहर में नहीं थे। वह एक ऐसी जगह पर थे, जहां तमाम प्रयासों के बाद भी ऑनलाइन रुप से उनसे जुड़ पाना संभव नहीं था। गौरतलब है कि बोर्ड की इस बैठक में भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल सहित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे पर अगरकर ने दूरी बनाये रखी। गौरतलब है कि अगरकर का कार्यकाल आगामी सितंबर महीने में समाप्त हो रहा है, ऐसे में उनकी इस बैठक में उपस्थिति का विशेष महत्व था। उनकी गैरमौजूदगी ने उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को और तेज कर दिया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया जा सकता है, हालांकि इसकी अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं सैकिया ने कहा है कि इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। गौरतलब है कि मुख्य चयनकर्ता के तौर पर अगरकर अपने कई फैसलों के लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं। उनपर अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी की उपेक्षा के आरोप लगे हैं। रोहित को अचानक ही एकदिवसीय और सूर्यकुमार को टी20 कप्तानी से उन्होंने हटा दिया था।

अब जडेजा का विकल्प तलाशने की जरुरत - दीप दासगुप्ता

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि अब टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशना शुरु कर देना चाहिये। ??दीपदास के अनुसार श्रीलंका दौरे में ये देखने में आया है कि अब जडेजा की गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वह अधिक विकेट भी नहीं ले पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन को उनकी जगह के लिए किसी खिलाड़ी को तैयार करना शुरु कर देना चाहिये। जडेजा ने श्रीलंका सीरीज की चार पारियों में कुल 8 विकेट लिए। दासगुप्ता को लगा कि भारत का स्पिन आक्रमण इस दौरे में विपक्षी टीम के लिए लगातार खतरा पैदा नहीं कर पाया। पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि श्रीलंका को फॉलो-ऑन देने के बावजूद भारतीय टीम उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट नहीं कर पायी।

दासगुप्ता ने कहा, मानव सुथार को छोड़कर, हमारे स्पिनर उतने खतरनाक नहीं दिखे जितनी हमें उम्मीद थी। ऐसी पिचों पर जडेजा हमेशा से बहुत खतरनाक और असरदार रहे हैं पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं दिखी। मुझे लगा था कि पांचवें दिन वह अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने टीम के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब उसने आगे बढ़ने का समय आ गया है। वह अपनी सामान्य सटीकता के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। उनका गेंदबाजी एक्शन काफी हद तक कंधे पर निर्भर करता है।

दासगुप्ता ने साथ ही कहा कि स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका में जडेजा के संभावित लंबे समय के विकल्प के तौर पर वाशिंगटन सुंदर अच्छें रहेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्पिनरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की जरूरत है। हमें वाशिंगटन सुंदर को तैयार करने की जरूरत है। वह बिल्कुल जडेजा जैसे ही हैं। इसलिए जब जडेजा संन्यास लेने का फैसला करेंगे, तो हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होगी जो वही काम कर सके। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह तैयार रहें।

मंधाना ने एशिया कप में शतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

दुबई । अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ शतक लगाने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये। मंधाना की शतकीय पारी से मैच में भारतीय टीम को 137 रनों से जीत मिली। मंधाना ने तेजी से खेलते हुए 124 रन बनाये जिससे भारतीय टीम 193 रनों के लक्ष्य तक पहुंची। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग केवल 56 रन ही बना पायी। मंधाना ने इस मैच में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10868 रनों का मिताली राज का रिकॉर्ड भी तोड़ा। उनके नाम अब कुल 10880 अंतर्राष्ट्रीय रन हो गए हैं। वहीं सूजी बेट्स के भी 10740 रन हैं और मंधाना ने उन्हें भी पीछे छोड़ दिया है।

इस मैच में मंधाना ने अपना 18 वां शतक लगाया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक का विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। यह उनका 18वां अंतर्राष्ट्रीय शतक था, जिससे उन्होंने मेग लैनिंग और लौरा वुल्वार्ट के 17-17 शतकों के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक से ज्यादा शतक लगाने वाली वह पहली भारतीय बल्लेबाज भी बन गई हैं, जबकि हरमनप्रीत कौर के नाम केवल एक टी20 शतक है। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ इस पारी में लगाए गए 7 छक्कों के साथ, मंधाना अब अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में कुल 95 छक्कों के साथ सबसे अधिक छक्के लगाने वाली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

आर्सेनल की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं मिडफील्डर गुइमारेस

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलने जा रहे ब्राजील के मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस का कहना है कि आर्सेनल में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है। उनका लक्ष्य क्लब की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। आर्सेनल की भी नजरें ब्रूनो पर लगी हैं। टीम ने जिन्हें न्यूकैसल यूनाइटेड से भारी भरकम राशि देकर खरीदा था। आर्सेनल को उम्मीद है कि इस मिडफील्डर के आने से उसकी टीम और बेहतर होगी। वहीं आर्सेनल में शामिल होकर गुइमारेस भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें इस टीम में आकर काफी अच्छा लग रहा है।

आकाश चोपड़ा की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में चार भारतीय शामिल

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वर्तमान समय की विश्व की सर्वेश्रेष्ठ टेस्ट टीम का चयन किया है। आकाश ने अपनी इस टीम में चार भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि इसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं है। आकाश की इस टीम में भारत और इंग्लैंड के चार-चार व ऑस्ट्रेलिया के दो और वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। चोपड़ा ने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट 11 खिलाड़ियों में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को भी शामिल किया है। स्टोक्स टीम में एकमात्र ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने संनयास ले लिया है। वहीं अन्य सभी सक्रिय क्रिकेटर हैं।

चोपड़ा ने इस टीम में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और भारत के केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज रखा है। इसके बाद तीन नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को रखा है। वहीं चार नंबर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल हैं। पांच नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज हैरी ब्रूक को शामिल किया है। छह और सात नंबर पर आकाश चोपड़ा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा हैं को रखा है। तेज गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, इंग्लैंड के जोश टंग और वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ हैं।

सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि चोपड़ा ने इस टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नहीं रखा है। आकाश की इस टीम में रवींद्र जडेजा मुख्य स्पिनर हैं।

मंधाना के शतक से भारतीय क्रिकेट टीम महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची

दुबई । स्मृति मंधाना के आक्रामक शतक के बाद श्री चारणी की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हांगकांग के खिलाफ 137 रनों की बड़ी जीत दर्ज करने के साथ ही एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। हांगकांग के खिलाफ मिली जीत भारतीय टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के मामले में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इस जीत में मंधाना की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने केवल 64 गेंदों में ही 124 बना दिये। मंधाना की इस पारी से हांगकांग की सभी उम्मीदें टूट गयीं।

उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 193 रनों का विशाल स्कोर बनाय। मंधाना ने पारी की शुरुआत से ही हांगकांग के गेंदबाजों पर हमला बोला। उन्होंने अपनी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा 28 रन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल आठ ओवरों में ही 74 रन बना दिये। मंधाना ने 40 गेंदों पर अपना शानदार अर्धशतक पूरा किया और फिर केवल 57 गेंदों पर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उनकी 124 रनों की पारी में 14 शानदार चौके और 7 छक्के शामिल थे।

वहीं प्रतिका रावल ने 10 रन बनाए, जबकि ऋचा घोष 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 10 रन ही बना पायीं। हांगकांग की ओर से ऑफ स्पिनर मरीना लैमप्लो सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 46 रन देकर दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। रुचिता वेंकटेश और जॉयलीन कौर ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किया।

इसके बाद 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में केवल 56 रन ही बना पायी। हांगकांग की ओर से नताशा माइल्स, यास्मीन दसवानी और मरीना लैमप्लो ही दो अंकों तक पहुंच पायीं। भारतीय टीम की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके, जबकि नंदनी, श्री चरणी और प्रेमा रावत ने 2-2 विकेट लिए। अब भारतीय टीम शनिवार को परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगी।

शनाका ने सीपीएल में सबसे तेज शतक लगाकर रसेल का रिकार्ड तोड़ा

जमैका। श्रीलंकाई क्रिकेटर दासुन शनाका ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में सेंट किट्स एंड नेविस की ओर से खेलते हुए सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड बनाया है। शनाका ने एक कड़े मुकाबले में सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ केवल 39 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। शनाका ने अपनी इस पारी में केवल 43 गेंदों पर ही 121 रनों की आक्रामक पारी खेली। इस पारी में उन्होंने आठ चौके और 12 छक्के लगाकर प्रशंसकों का दिल जीत लिया।

इस पारी के साथ ही शनाका ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज आंद्रे रसेल के 2018 में बनाए गए 40 गेंदों के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। शनाका इस पारी से मैच क रुख भी बदल गया। जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे थे तब टीम को बड़े स्कोर की जरुरत थी और उन्होंने अपनी आक्रामक शैली से केवल कुछ ही ओवरों में मैच अपनी टीम की ओर मोड़ दिया।

शनाका ने 24 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। इसके बाद उन्होंने अपनी बल्लेबाजी तेज करते हुए अगले 50 रन केवल 15 गेंदों में पूरे कर लिए।

शनाका के इस विध्वंसक शतक की बदौलत सेंट किट्स एंड नेविस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 235 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह लक्ष्य सेंट लुसिया किंग्स के लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। जवाब में, सेंट लुसिया किंग्स की पूरी टीम 13.5 ओवरों में सिर्फ 98 रनों पर ही सिमट गयी।

टोल वसूली फर्जीवाड़ा : ईडी ने 1.03 करोड़ नकद बरामद कर 8 बैंक लॉकर किए फ्रीज

एमपी-यूपी समेत 7 राज्यों के 14 ठिकानों पर कार्रवाई; अनधिकृत सॉफ्टवेयर से करीब 100 टोल प्लाजा पर फर्जी रसीदें जारी करने के प्रमाण मिले

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल वसूली में कथित बड़े फर्जीवाड़े की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को छापेमारी में अहम सुराग मिले हैं। ईडी ने अनधिकृत सॉफ्टवेयर के जरिए एनएचएआई के टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूली में धांधली के मामले में आरोपितों के ठिकानों से 1.03 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। जांच एजेंसी ने आठ बैंक लॉकर भी फ्रीज कराए हैं।

ईडी की टीम ने मध्य प्रदेश में अनेक स्थानों पर कार्रवाई की। इसी के साथ ही ईडी की लखनऊ जोनल कार्यालय की टीम ने बुधवार को उत्तर प्रदेश समेत सात राज्यों में 14 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज, अकाउंट बुक, वित्तीय रिकॉर्ड, बैंकिंग दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए। इनकी जांच की जा रही है।

बिना फास्टैग वाले वाहनों से वसूली में खेल

जांच एजेंसी के अनुसार, छापेमारी में टोल प्लाजा के हिसाब से वसूली और उसकी रिपोर्टिंग, बिना फास्टैग वाले वाहनों से वसूले गए टोल तथा बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। आरोपितों के बीच हुई संदिग्ध बातचीत और अनधिकृत सॉफ्टवेयर के संचालन से जुड़ी सामग्री भी डिजिटल उपकरणों से बरामद हुई है। ईडी अब इन साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जीवाड़े से कितनी रकम जुटाई गई और इसमें कौन-कौन लोग तथा संस्थाएं शामिल थीं।

100 टोल प्लाजा पर सॉफ्टवेयर इस्तेमाल के प्रमाण

ईडी की जांच में सामने आया है कि बिना फास्टैग वाले वाहनों से टोल वसूली के लिए 'मॉबडाटा' और 'एनी' नाम के अनधिकृत ऐप का इस्तेमाल किया जाता था। आरोपितों के ठिकानों से बरामद डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच में करीब 100 टोल प्लाजा पर इस सिस्टम के इस्तेमाल के प्रमाण मिले हैं। जांच में उपलब्ध डिजिटल रिकॉर्ड से यह भी पता चला कि इन टोल प्लाजा से करोड़ों रुपये की अनधिकृत टोल रसीदें जारी की गई थीं। ईडी को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क में एनएचएआई द्वारा नियुक्त बिचौलियों और टोल वसूली करने वाली संस्थाओं की मिलीभगत हो सकती है।

जनवरी 2025 में यूपी एसटीएफ ने खोला था राज

इस मामले की शुरुआत 22 जनवरी 2025 को हुई थी, जब यूपी एसटीएफ ने मिर्जापुर स्थित एनएचएआई के अतरैला टोल प्लाजा पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान टोल वसूली में अनियमितताओं का खुलासा हुआ। आगे की जांच में पता चला कि उत्तर प्रदेश समेत करीब 14 राज्यों में अनधिकृत सॉफ्टवेयर के जरिए टोल टैक्स वसूली में धांधली की जा रही थी।

मास्टरमाइंड आलोक और सहयोगी मनीष से पूछताछ

ईडी ने ताजा कार्रवाई के दौरान मामले के कथित मास्टरमाइंड आलोक कुमार सिंह के करीबी और मध्य प्रदेश निवासी मनीष से भी पूछताछ की। छापेमारी में मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर ईडी अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और संस्थाओं की भूमिका की जांच कर रही है। जांच एजेंसी का फोकस इस बात पर है कि अनधिकृत सॉफ्टवेयर किस तरह संचालित किया जाता था, उससे होने वाली वसूली का पैसा किन खातों में जाता था और टोल प्लाजा स्तर पर इस पूरे नेटवर्क को किन लोगों का संरक्षण या सहयोग हासिल था।

5 सितंबर को बिगड़ेगा मौसम, दिल्ली-राजस्थान-मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट; 12 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 5 सितंबर को दिल्ली-एनसीआर समेत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत कई इलाकों में बारिश का दौर जारी रह सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। 5 सितंबर को दिनभर बादल छाए रहने और सुबह से दोपहर तक कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान आंधी-तूफान और बिजली गिरने का खतरा भी बना रहेगा। अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। भरतपुर, जयपुर, अजमेर और कोटा संभागों के साथ शेखावाटी क्षेत्र में भी मध्यम से तेज बारिश का अनुमान है। कोटा संभाग में कुछ जगहों पर अति भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

उत्तर प्रदेश में पश्चिमी हिस्सों में व्यापक बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना है, जबकि पूर्वी हिस्सों में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रह सकता है। बिहार में भी कई इलाकों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

वहीं, मध्य प्रदेश में मानसून सक्रिय रहेगा। पश्चिमी मध्य प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश के साथ तेज हवाएं, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश के साथ भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।

महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में टीएमसी नेता सोमनाथ गिरफ्तार

-सबूत मिटाने पीड़िता के शव का जल्द अंतिम संस्कार कराने में मदद का है आरोप

कोलकाता। 2024 के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने टीएमसी नेता सोमनाथ डे को गिरफ्तार किया है। सोमनाथ पानिहाटी नगरपालिका के चेयरमैन भी हैं। सोमनाथ को बुधवार को बेंगलुरु में छापेमारी के दौरान डे को पकड़ा था। गुरुवार रात करीब 2:20 बजे उन्हें बंगाल लाया गया। जांच अधिकारियों का आरोप है कि सोमनाथ डे ने अपराध के बाद सबूत नष्ट करने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोप है कि सोमनाथ डे ने पीड़िता के शव का जल्द अंतिम संस्कार कराने में मदद की।

बता दें आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। 20 जनवरी 2025 को सेशंस कोर्ट ने आरोपी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को गिरफ्तार किया था। घटना को लेकर कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए। बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं।

9 अगस्त की घटना के बाद आरजी कर अस्पताल के डॉक्टरों और पीड़ित परिवार ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की। हाईकोर्ट के आदेश के बाद 13 अगस्त को जांच सीबीआई को सौंपी गई। इसके बाद सीबीआई ने नए सिरे से जांच शुरू की। संजय रॉय के अलावा मामले में मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को भी आरोपी बनाया गया, लेकिन सीबीआई ने 90 दिन के अंदर घोष के खिलाफ चार्जशीट दायर नहीं कर पाई, जिस कारण सियालदह कोर्ट ने 13 दिसंबर को घोष को इस मामले में जमानत दे दी। सीबीआई ने 25 अगस्त को सेंट्रल फोरेंसिक टीम की मदद से कोलकाता की प्रेसीडेंसी जेल में संजय समेत 9 आरोपियों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया था। इनमें आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, एएसआई अनूप दत्ता, 4 फेलो डॉक्टर, एक वॉलंटियर और 2 गार्ड्स शामिल थे।

फुकेट हादसा : विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम खराब हुए थे, 300 फीट नीचे गिरा था विमान

नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के कैप्टन पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना की जांच कर रही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की शुरुआती रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। उड़ान के दौरान एयरबस विमान के फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम ने तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी रिकॉर्ड की थी। एएआईबी ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद अंतिम रिपोर्ट जारी की जाएगी।

बता दें यह घटना 4 अगस्त की है। फुकेट से दिल्ली आते वक्त भुवनेश्वर के पास विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था। इस दौरान यात्रियों और क्रू सदस्यों को चोटें आई थीं। विमान में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर समेत कुल 145 लोग सवार थे। पहले इसकी वजह टर्बुलेंस बताई गई थी। कई लोगों के घायल होने और विमान के केबिन में नुकसान के बाद एएआईबी ने इसे अब 'एक्सीडेंट' की श्रेणी में रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक उड़ान के बाद जांच में कैप्टन पायलट के शरीर में नशीले पदार्थ पाए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे क्यों आया और पायलट के ड्रग टेस्ट के नतीजे का इस घटना से कोई संबंध था या नहीं। एएआईबी ने इसे चिंता का विषय बताया।

देशभर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम, ब्रज में जुटे लाखों श्रद्धालु

नई दिल्ली। देशभर में आज यानी शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। मथुरा की पावन जन्मभूमि से लेकर गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन व बिड़ला मंदिर और जयपुर के गोविंद देवजी मंदिर तक सुबह मंगला आरती के साथ जन्मोत्सव के आयोजनों की शुरुआत हुई। मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी है। प्रशासन के मुताबिक जन्मोत्सव के पावन अवसर पर समूचे ब्रज मंडल में करीब 75 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जिसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वर्ष 2024 से शुरू हुई परंपरा के तहत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से विशेष टोली मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंची और लड्डू गोपाल के लिए पारंपरिक उपहार व पूजन सामग्री भेंट की।

बैहर-बिरसा क्षेत्र में एक और बच्चे की मौत

तबीयत बिगड़ने के बाद निजी क्लीनिक में कराया गया उपचार, पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वजह होगी स्पष्ट

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ग्राम अतरिया के आरामटोला निवासी करीब साढ़े 10 वर्षीय गजेंद्र पिता विशाल मरकाम की गुरुवार रात करीब 10 बजे ग्राम लूद के मसीहाटोला में मौत हो गई। बालक की तबीयत खराब होने के बाद परिजनों ने पहले निजी स्तर पर उपचार कराया था। जानकारी के अनुसार गजेंद्र मरकाम ग्राम पंचायत अतरिया के आरामटोला का रहने वाला था। वह तीन भाइयों में से एक था और पिछले कुछ महीनों से अपने माता-पिता के साथ मसीहाटोला में अपने मौसा के घर रह रहा था। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत खराब चल रही थी और परिजनों द्वारा उसका उपचार कराया जा रहा था।

बताया जा रहा हैं कि मंगलवार को परिजनों ने गजेंद्र का निजी तौर पर उपचार कराया था। इसके बाद गुरुवार को अचानक उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और रात करीब 10 बजे उसने दम तोड़ दिया। बालक की मौत की सूचना मिलते ही उकवा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शुक्रवार को बालक के शव का पोस्टमार्टम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उकवा में कराया गया। शाम करीब चार बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। बालक के उपचार को लेकर एक कथित निजी चिकित्सक का नाम भी सामने आने की बात कही जा रही है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बालक की मौत के बाद संबंधित निजी चिकित्सक मौके से फरार हो गया। हालांकि निजी चिकित्सक द्वारा किस प्रकार का उपचार किया गया और बालक को कौन सी दवा या इंजेक्शन दिया गया, इसकी अधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। इधर बैहर-बिरसा अंचल में बच्चों की मौत के आंकड़ों को लेकर भी अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर अब तक करीब 30 बच्चों की मौत होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और प्रशासनिक स्तर पर सामने आने वाले आंकड़ों तथा स्थानीय दावों में अंतर की स्थिति बनी हुई है। इस पूरे मामले को लेकर जब बैहर के बीएमओ डॉ. अनंत लिल्हारे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने 10 वर्षीय बालक गजेंद्र की मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बालक के परिवार में कुछ दिन पहले मलेरिया के मामले सामने आए थे, जिनका स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उपचार भी किया गया था। बीएमओ के अनुसार परिवार के कुछ सदस्यों की मलेरिया की स्थिति उपचार के बाद ठीक हो गई थी, लेकिन गजेंद्र की तबीयत अधिक बिगड़ने पर परिजन उसे दोबारा उप स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। वहां अधिक भीड़ होने के कारण परिजन बालक को वापस लेकर निजी चिकित्सक के पास चले गए थे। निजी स्तर पर उपचार के दौरान ही बालक की मौत होने की जानकारी सामने आई है। डॉ. लिल्हारे ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल यह कहना संभव नहीं है कि निजी चिकित्सक द्वारा बालक को कौन सी दवा या इंजेक्शन दिया गया था। मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट करने के लिए नियमानुसार शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी और मौत के कारणों को लेकर निश्चित रूप से कुछ कहा जा सकेगा। बैहर-बिरसा क्षेत्र में लगातार सामने आ रही बच्चों की मौत की घटनाओं के बीच एक और बालक की मौत ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर ऐसे समय में जब क्षेत्र में मलेरिया सहित अन्य बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी और उपचार का दावा कर रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर स्थिति वाले मरीजों के समय पर उपचार तक पहुंचने को लेकर सवाल बने हुए हैं। गजेंद्र की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बालक की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे समय पर समुचित उपचार क्यों नहीं मिल पाया। उप स्वास्थ्य केंद्र में भीड़ के कारण परिजनों को निजी चिकित्सक के पास जाना पड़ा या अन्य कोई परिस्थिति थी, इसकी भी जांच जरूरी है। वहीं निजी उपचार के दौरान दी गई दवाओं और इंजेक्शन की जानकारी सामने आने के बाद ही मामले की तस्वीर और साफ हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और स्वास्थ्य विभाग भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि बालक की मौत मलेरिया के कारण हुई, बीमारी की गंभीरता बढ़ने से हुई या उपचार से जुड़ा कोई अन्य कारण सामने आता है। ऐसे में अब जांच और रिपोर्ट पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

तत्काल चार्ज का आदेश, फिर भी कुर्सी खाली ?

गंभीर संकट के बीच सीएमएचओ, अनूपपुर में बेटे के डेंटल क्लिनिक के उद्घाटन में व्यस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के आदिवासी अंचलों में बच्चों की लगातार मौतों के बाद स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल तो कर दिया गया, लेकिन नई व्यवस्था संभालने की प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ गई है। शासन ने तत्काल प्रभाव से बालाघाट के सीएमएचओ परेश उपलप को हटाकर डिंडोरी के सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय को बालाघाट की जिम्मेदारी सौंप दी, लेकिन आदेश के बाद भी परेश उपलप अब तक रिलीव नहीं हुए हैं। दूसरी ओर नए सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय अनूपपुर में अपने बेटे के डेंटल क्लीनिक के उद्घाटन में व्यस्त हैं।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था नजरअंदाज, बेटे के क्लिनिक उद्घाटन में व्यस्त है जनाब

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और तत्काल चार्ज लेने के आदेश जारी किए गए हैं, तो फिर पुराने अधिकारी को अब तक रिलीव क्यों नहीं किया गया? खास बात यह भी सामने आ रही है कि सीएचएमओ डॉ. मनोज पांडेय अनूपपुर में अपने बेटे के डेंटल क्लिनिक के उद्घाटन कार्यक्रम में व्यस्त है। ऐसे समय में जब बालाघाट के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आम जनता तक जवाब मांग रही है, ऐसे में विभागीय स्तर पर चार्ज को लेकर बनी स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। ऐसे बिगड़े हालात में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दरकिनार कर अपने बेटे के क्लीनिक के उद्घाटन समारोह में रहना कहां तक उचित है?, यह सवाल जिम्मेदारों की जिम्मेदारी पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगता है। हालांकि बेटे के क्लीनिक के उद्घाटन में शामिल होने की जानकारी सूत्रों द्वारा दी गई है लेकिन यदि यह जानकारी सत्य है तो इसे घोर लापरवाही माना जाएगा।

बच्चों की मौत के बाद सरकार ने बदला था सीएमएचओ

आदिवासी अंचलों में बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार होने और उपचार के दौरान मौतों के मामले के बाद से ही स्वास्थ्य विभाग लगातार सवालों के घेरे में था। दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले की पहुंच, बीमारी की समय पर पहचान, उपचार व्यवस्था और गंभीर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने को लेकर लगातार सवाल उठते रहे।मामले को लेकर आदिवासी समाज, राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किए। बढ़ते जनदबाव के बीच आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने सीएमएचओ परेश उपलप को हटाने का निर्णय लिया था।

2 सितंबर को हुआ तबादला, अब चार्ज को लेकर पेंच

जानकारी के अनुसार 2 सितंबर को डिंडोरी से बालाघाट डॉ. मनोज पांडेय का स्थानांतरण किया गया था। वे इससे पहले भी बालाघाट में स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे में उन्हें जिले की मौजूदा परिस्थितियों और स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी स्थिति की जानकारी भी है। लेकिन प्रशासनिक आदेश के बावजूद अब तक सीएमएचओ परेश उपलप के रिलीव नहीं होने से नए अधिकारी के पदभार ग्रहण की प्रक्रिया में देरी हुई है। हालांकि अब माना जा रहा है कि आज डॉ. मनोज पांडेय बालाघाट पहुंचकर पदभार ग्रहण कर सकते हैं।

क्या अधिकारी बदलने से सुधर जाएगी व्यवस्था ?

स्वास्थ्य विभाग के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ अधिकारी बदलने की नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर व्यवस्था बदलने की है। आदिवासी क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य अमले की मौजूदगी, बीमार बच्चों की तत्काल पहचान, जांच, दवाओं की उपलब्धता और गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत करना बेहद जरूरी है। लेकिन यहां सरकार द्वारा व्यवस्था बदलने की जगह अधिकारी बदलने का काम किया जा रहा है।

नए सीएमएचओ के सामने बड़ी चुनौती

डॉ. मनोज पांडेय के सामने पदभार संभालते ही कई बड़ी चुनौतियां होंगी। आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के साथ-साथ बच्चों की मौत के मामले में उठ रहे सवालों का जवाब देने और जनता का भरोसा वापस कायम करना भी उनके लिए बड़ी परीक्षा होगी।अब सब की निगाहें इस बात पर है कि शनिवार को डॉ. पांडेय वास्तव में पदभार ग्रहण करते हैं या नहीं और पुराने सीएमएचओ परेश उपलप को कब रिलीव किया जाता है। क्योंकि बालाघाट की स्वास्थ्य व्यवस्था इस समय किसी भी तरह की प्रशासनिक उलझन नहीं, बल्कि तत्काल निर्णय और जमीन पर कार्रवाई की मांग रही है।

स्टाफ नर्स से 39699 रुपये की ऑनलाइन ठगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में ऑनलाइन ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। साइबर ठग अब लोगों को झांसा देने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। किरनापुर थाना क्षेत्र में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां सामान परिवहन के लिए गाड़ी की आवश्यकता बताकर एक अज्ञात व्यक्ति ने स्टाफ नर्स को अपने जाल में फंसा लिया और क्यूआर कोड स्कैन करवाकर उसके खाते से 39 699 रुपये पार कर दिए। घटना के बाद पीड़िता ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। मामले में किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक फोन कॉल से शुरू हुआ ठगी का खेल

जानकारी के अनुसार ग्राम नारायण टोला निवासी अर्चना पति धर्मेंद्र खोब्रागड़े 39 शासकीय अस्पताल किरनापुर में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत हैं। बताया गया कि 28 अगस्त 2026 को उनके पति धर्मेंद्र खोब्रागड़े के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि उसे सामान भिजवाने के लिए गाड़ी की आवश्यकता है और इसके लिए 30 अगस्त को एडवांस राशि दी जाएगी। इसी बहाने आरोपी ने धर्मेंद्र से फोन-पे नंबर मांगा।

पति ने दे दिया पत्नी का फोन-पे नंबर

धर्मेंद्र खोब्रागड़े ने अज्ञात व्यक्ति को अपनी पत्नी अर्चना का फोन-पे नंबर दे दिया। इसके कुछ समय बाद आरोपी ने अर्चना को फोन किया और बताया कि एडवांस राशि के तौर पर उनके खाते में एक रुपये भेजे गए हैं। इसके बाद आरोपी ने कहा कि उनके मोबाइल पर एक स्कैनर भेजा जा रहा है।जिसे स्कैन करने के बाद एडवांस की राशि सीधे खाते में जमा हो जाएगी।

क्यूआर कोड स्कैन करते ही खाते से निकली रकम

अर्चना ने आरोपी की बात पर भरोसा करते हुए मोबाइल पर भेजे गए स्कैनर को स्कैन कर दिया। इसके तत्काल बाद उनके खाते से 19,999 रुपये का ट्रांजैक्शन हो गया। आरोपी ने इसके बाद दोबारा स्कैनर स्कैन करने के लिए कहा। दूसरी बार स्कैन करते ही खाते से 19,700 रुपये और निकल गए। इस तरह दो ट्रांजैक्शन में कुल 39,699 रुपये अज्ञात आरोपी के भारतीय स्टेट बैंक के खाते में ट्रांसफर हो गए। खाते से रकम निकलने के बाद अर्चना को ऑनलाइन ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने बिना देर किए साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर घटना की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद किरनापुर थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

किरनापुर पुलिस ने अपराध दर्ज कर शुरू की जांच

किरनापुर पुलिस ने अर्चना खोब्रागड़े की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के मोबाइल नंबर, बैंक खाते और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट